MPHIN.RNI.NO. 62005/94

प्रजादेश

वर्ष -32 अंक 54 | भोपाल, गुरूवार 26 मार्च 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य 1.50 रुपये

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जन्म दिवस पर किया एमपीटी कैफे कल्चर हाउस का शुभारंभ

दिव्यांग बच्चों ने केक काटने के साथ हैप्पी बर्थ डे टू यू गाकर किया मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अभिनंदन

भोपाला। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने जन्म दिवस पर दिव्यांग बच्चों के साथ सुखद संवाद करते हुए रवीन्द्र भवन परिसर एमपीटी कैफे कल्चर हाउस का शुभारंभ किया। इस अवसर पर बच्चों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव के जन्म दिवस का केक काटा, हैप्पी बर्थडे टू यू का गीत गाकर बधाई दी और उन्हें एक पेंटिंग भेंट की। इस अवसर पर बालिका सिहायना तिवारी ने जन्म दिवस पर कविता सुनाकर मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अभिनंदन किया। कु. सिहायना ने प्रभु श्रीराम के संघर्ष पर भी कविता पाठ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दिव्यांग बच्चों को प्रोत्साहन स्वरूप 5 लाख रूपए और कविता पाठ करने वाली बालिका कु. सिहायना तिवारी को पृथक से 21 हजार रूपए प्रदान करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बच्चों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा। यह बच्चे बाल निकेतन और आरूषि संस्थान से जुड़े हैं। इस

अवसर पर पर्यटन, संस्कृति और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बच्चों से संवाद में बताया कि रवीन्द्र भवन प्रदेश की सांस्कृतिक गतिविधियों का केन्द्र रहा है। वर्षों से इस स्थान से कलाकारों, साहित्यकारों और संस्कृति प्रेमियों का जुड़ाव रहा है। यहां सांस्कृतिक और ग्राम्य जीवन की थीम पर विकसित कैफे कल्चर हाउस प्रदेश की सांस्कृतिक समृद्धि और पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह स्थान कला, संस्कृति और स्थानीय परंपराओं को प्रोत्साहित करने का एक सशक्त मंच बनेगा। यह मध्यप्रदेश पर्यटन का एक अनूठा प्रोजेक्ट है। इसमें प्रकृति, संस्कृति और विभिन्न प्रकार के विशेष भोजन का संयोजन है। इस प्रकार की पहल न केवल पर्यटन को बढ़ावा देती हैं, बल्कि स्थानीय व्यंजनों और संस्कृति को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

रवीन्द्र भवन परिसर स्थित एमपीटी कल्चर कैफे हाउस में लगभग 85 लोगों की बैठने की क्षमता है। यह कैफे आगंतुकों को

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रतिभाशाली दिव्यांग बच्चों को प्रोत्साहन स्वरूप दिए 5 लाख रुपए

बालिका सिहायना तिवारी की कविता प्रस्तुति पर 21 हजार रूपए देने की घोषणा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कैफे को बताया प्रकृति, संस्कृति और विशेष व्यंजनों का संयोजन

मध्यप्रदेश पर्यटन के अनूठे प्रोजेक्ट को सराहा

शांत और सुकून भरा वातावरण प्रदान करता है। यहां का मेन्यू प्रदेश की समृद्ध क्षेत्रीय व्यंजनों की झलक प्रस्तुत करता है, जिसमें भुट्टे का कीस, श्रीअन्न को प्रोत्साहन देते हुए रागी बालूशा और कोदो अरंचिनी जैसे पारंपरिक एवं नवाचारी व्यंजन शामिल हैं। इसे एक लैंडस्केप-आधारित कैफ़े के रूप में डिज़ाइन किया गया है। हरी-भरी हरियाली और प्राकृतिक बनावटों को आधुनिक वास्तुशिल्प ढाँचे में समाहित करते हुए, यह कैफ़े रवीन्द्र भवन में आने-जाने वालों के लिए अनोखा अनुभव प्रदान करेगा। कैफे में हाथ से तराशी गई लकड़ी की बैठकों से लेकर विशेष रूप से तैयार टेराकोटा, पत्थर, लकड़ी, बांस और जूट के कलात्मक कार्य प्रदेश के सृजनकर्ताओं की सृजनशीलता को दर्शाते हैं। कैफे का इंटीरियर प्रदेश की हस्तशिल्प और कलाकृतियों से सुसज्जित है, जो भोजन के अनुभव को और भी यादगार बनाएगा। यहाँ का वातावरण 'क्रिएटिव हब' के रूप में विकसित किया गया है। उद्घाटन अवसर पर पर्यटन सचिव एवं मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक डॉ. इलैयाराजा टी, अपर प्रबंध संचालक डॉ. अभय अरविंद बेडेकर, वरिष्ठ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

35 नहीं, 25 दिन में ही मिलेगा शहरों में सिलिंडर, समय-सीमा संशोधन पर सरकार ने स्थिति साफ की

नई दिल्ली । सरकार ने एलपीजी बुकिंग समयसीमा में बदलाव की खबरों को फर्जी बताते हुए कहा है कि नियमों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। शहरी क्षेत्रों में 25 दिन और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन की समयसीमा पहले की तरह लागू है, साथ ही देश में एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग समयसीमा में बदलाव को लेकर फैल रही खबरों को केंद्र सरकार ने पूरी तरह खारिज कर दिया है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि बुकिंग नियमों में कोई बदलाव नहीं किया गया है और मौजूदा व्यवस्था ही लागू है। मंत्रालय ने नई समयसीमा वाली खबरों को भ्रामक बताया मंत्रालय के अनुसार, कुछ मीडिया रिपोर्ट्स और सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया जा रहा था कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (क्क्रूङ्क) कनेक्शन के लिए 45 दिन, गैर-पीएमयूवाई सिंगल सिलेंडर के लिए 25 दिन और डबल सिलेंडर के लिए 35 दिन की नई समयसीमा लागू की गई है। सरकार ने इन दावों को भ्रामक और गलत बताया है। रीफिल बुकिंग की समयसीमा में कोई बदलाव नहीं मंत्रालय ने कहा कि एलपीजी रीफिल बुकिंग की

मौजूदा समयसीमा पहले की तरह ही लागू रहेगी। शहरी क्षेत्रों में 25 दिन और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन, जो सभी प्रकार के कनेक्शनों पर समान रूप से लागू है।

नागरिकों से अफवाहों से बचने की अपील

सरकार ने नागरिकों से अपील की है कि वे ऐसी अफवाहों पर विश्वास न करें और न ही उन्हें आगे फैलाएं। साथ ही, अनावश्यक या घबराहट में एलपीजी बुकिंग करने से बचने की सलाह दी गई है।

एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक है उपलब्ध

मंत्रालय ने भरोसा दिलाया है कि देश में एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और किसी तरह की कमी की कोई स्थिति नहीं है। सरकार ने बताया कि देश की सभी रिफाइनरियां उच्च क्षमता पर काम कर रही हैं और सोमवार तक 18,700 टन कमर्शियल एलपीजी की आपूर्ति की जा चुकी है।

हम पाकिस्तान जैसे दलाल देश नहीं', ईरान युद्ध में पाकिस्तान की मध्यस्थता के सवाल पर जयशंकर की दो टूक

नई दिल्ली ।पश्चिम एशिया संकट पर सर्वदलीय बैठक में सरकार ने पाकिस्तान को दलाल देश बताते हुए कहा कि भारत ऐसी भूमिका नहीं निभाता। सरकार ने विपक्ष के आरोपों को खारिज किया और कहा कि भारत सक्रिय है। विपक्ष ने जवाबों को असंतोषजनक बताया और संसद में चर्चा की मांग की।

पश्चिम एशिया में जारी तनाव को लेकर बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में सरकार और विपक्ष के बीच तीखी बहस देखने को मिली। इस दौरान विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पाकिस्तान को एक दलाल देश कहा। उनका इशारा इस संघर्ष में पाकिस्तान की कथित मध्यस्थता की ओर था। सूत्रों के अनुसार, विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि इस मामले में पाकिस्तान की मध्यस्थता की कोशिशों में कुछ भी नया नहीं है। क्योंकि 1981 से ही अमेरिका उस देश का इस्तेमाल करता आ रहा है। सूत्रों के मुताबिक, संसद परिसर में पश्चिम एशिया संकट पर चर्चा के लिए बुलाई गई इस बैठक में जयशंकर ने उपस्थित लोगों से कहा, हम कोई दलाल देश नहीं हैं। बैठक में सरकार ने विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि भारत इस मुद्दे पर चुप नहीं है, बल्कि लगातार अपनी प्रतिक्रिया दे रहा है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने पश्चिम एशिया के हालात पर विस्तृत प्रस्तुति दी। सरकार ने यह भी बताया कि उसका सबसे बड़ा फोकस खाड़ी क्षेत्र में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा और देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करना है, जिसमें अब तक सफलता मिली है। क्या भारत पश्चिम एशिया मुद्दे पर चुप है?

विपक्ष ने आरोप लगाया कि भारत की प्रतिक्रिया कमजोर है, लेकिन सरकार ने इसे खारिज किया। सरकार ने बताया कि ईरान में भारतीय प्रतिनिधियों ने तुरंत जाकर संवेदना जताई थी और हर स्तर पर भारत सक्रिय है। सरकार ने कहा कि भारत हर स्थिति पर नजर रखे हुए है और जरूरी कदम उठा रहा है।

पीएम मोदी का जलवा कायम, फिर से बने दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता; ट्रंप छूटे काफी पीछे

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता बने हैं। अमेरिकी डेटा एनालिटिक्स फर्म मॉर्निंग कंसल्ट के ताजा सर्वे के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी को 68 प्रतिशत की अप्रूवल रेटिंग मिली है, जो उन्हें दुनिया के शीर्ष नेताओं में पहले स्थान पर बनाए रखती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर वैश्विक स्तर पर सबसे लोकप्रिय नेता बनकर उभरे हैं। अमेरिकी डेटा एनालिटिक्स फर्म मॉर्निंग कंसल्ट के ताजा सर्वे के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी को 68 प्रतिशत की अप्रूवल रेटिंग मिली है, जो उन्हें दुनिया के शीर्ष नेताओं में पहले स्थान पर बनाए रखती है। मॉर्निंग कंसल्ट द्वारा 2 से 8 मार्च के बीच किए गए सर्वे में पीएम मोदी अपने वैश्विक समकक्षों से काफी आगे नजर आए। यह रैंकिंग लगातार तीसरी बार सत्ता में रहने के बावजूद उनकी लोकप्रियता और मजबूत नेतृत्व को दर्शाती है। डोनाल्ड ट्रंप को टॉप-10 में भी नहीं मिली जगह

वहीं, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस सूची के टॉप-10 में

जगह नहीं बना सके और उन्हें केवल 39 प्रतिशत अप्रूवल रेटिंग मिली। पीएम मोदी के बाद दूसरे स्थान पर स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गाय पारमेलिन और दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्युंग रहे, जिन्हें 62-62 प्रतिशत अप्रूवल रेटिंग प्राप्त हुई।

ब्रिटिश पीएम और फ्रांसीसी राष्ट्रपति किस जगह पर?

तीसरे और चौथे स्थान पर क्रमशः चेक गणराज्य और अर्जेंटीना के नेता रहे, जिन्हें 57 और 56 प्रतिशत की अप्रूवल रेटिंग मिली। अन्य वैश्विक नेताओं की बात करें तो ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीअर स्टार्मर को 24 प्रतिशत और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को मात्र 17 प्रतिशत अप्रूवल रेटिंग मिली, जिससे वे सूची में काफी पीछे रहे। पीएम मोदी ने हाल ही में भारतीय राजनीति रचा इतिहास गौरतलब है कि पीएम मोदी ने हाल ही में भारतीय राजनीति में एक ऐतिहासिक उपलब्धि भी हासिल की है। उन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल को मिलाकर कुल 8,931 दिनों का नेतृत्व पूरा किया है और अब वे देश के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले प्रमुख बन गए हैं। मॉर्निंग कंसल्ट की यह रेटिंग विभिन्न देशों के वयस्कों की राय पर आधारित सात दिन के मूविंग एवरेज के आधार पर तैयार की जाती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता बने हैं। अमेरिकी डेटा एनालिटिक्स फर्म मॉर्निंग कंसल्ट के ताजा सर्वे के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी को 68 प्रतिशत की अप्रूवल रेटिंग मिली है, जो उन्हें दुनिया के शीर्ष नेताओं में पहले स्थान पर बनाए रखती है।

वित्त मंत्री ने संसद में कहा- करदाताओं को राहत पर जोर

नई दिल्ली ।वित्त मंत्री ने लोकसभा में कहा कि सरकार विश्वास के साथ सुधार कर रही है और टैक्स सिस्टम को आसान बनाया जा रहा है। ईमानदार करदाताओं को राहत, 17 जीवनरक्षक दवाओं पर कस्टम ड्यूटी खत्म और छोटे टैक्सपेयर्स के लिए ऑनलाइन प्रक्रिया लागू की गई है। आइए विस्तार से जानते हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में वित्त विधेयक 2026 पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि भारत तेजी से सुधारों के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि देश में सुधार किसी मजबूरी में नहीं, बल्कि स्पष्ट सोच, आत्मविश्वास और प्रतिबद्धता के साथ किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भारत रिफॉर्म एक्सप्रेस पर सवार है और लगातार आगे बढ़ रहा है। टैक्स सिस्टम को अधिक पारदर्शी बनाने की कोशिश

उन्होंने कहा कि सरकार का फोकस भरोसे पर आधारित टैक्स सिस्टम बनाने पर है, जिसके तहत ईमानदार करदाताओं के लिए परेशानियां कम की जा रही हैं। टैक्स प्रशासन को अधिक पारदर्शी और आसान बनाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। 17 दवाओं पर से बेसिक कस्टम ड्यूटी हटाई गई

वित्त मंत्री ने आम लोगों को राहत देने के लिए 17 जरूरी जीवनरक्षक दवाओं को बेसिक कस्टम ड्यूटी से मुक्त करने का भी एलान किया। इससे इन दवाओं की कीमतें कम होने की उम्मीद है और

मरीजों को सीधा फायदा मिलेगा। छोटे करदातों के लिए बड़ा कदम छोटे करदाताओं के लिए भी प्रक्रिया को आसान बनाया गया है। अब कम या शून्य टीडीएस (ञ्जष्ठस्) सर्टिफिकेट पाने के लिए नियम-आधारित ऑटोमेटेड ऑनलाइन सिस्टम लागू किया गया है, जिससे समय और जटिलता दोनों कम होंगे। इसके अलावा, सीतारमण ने स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार द्वारा वसूले गए सेस और सरचार्ज से अधिक राशि राज्यों के लिए विभिन्न योजनाओं के तहत खर्च की जा रही है, जिससे राज्यों को वित्तीय सहयोग मिलता है। वित्त विधेयक में क्या प्रावधान? उन्होंने कहा कि एमएसएमई, किसान और सहकारी क्षेत्र रोजगार सृजन और उत्पादन के केंद्र में हैं, इसलिए सरकार इन क्षेत्रों को सशक्त बनाने के लिए कई कदम उठा रही है।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने माधवराव सप्रे स्मृति समाचार पत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान में हिन्दी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश शंकर विद्यार्थी जी के छायाचित्र पर पुष्प अर्पण और नमन कर किया।

मतदान का अधिकार छीना जा रहा, कल एनआरसी से नागरिकता भी छीनी जाएगी', ममता का भाजपा पर तीखा हमला

नई दिल्ली। कोलकाता विधानसभा चुनाव का एलान होने के बाद ममता बनर्जी ने अपनी पहली चुनावी रैली में भाजपा पर तीखा हमला बोला। ममता बनर्जी ने भाजपा को बंगाली विरोधी पार्टी करार दिया और आरोप लगाया कि आज मतदान अधिकार छीना जा रहा है और कल एनआरसी से नागरिकता छीनी जाएगी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मयनागुड़ी से विधानसभा चुनाव का बिगुल फूंका। विधानसभा चुनाव के एलान के बाद अपनी पहली रैली में ममता बनर्जी ने भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने एसआईआर के

मुद्दे को जोर-शोर से उठाया और कहा कि ऐसी गंभीर चिंताएं हैं कि मतदाता सूची से असली मतदाताओं के नाम हटाए जा सकते हैं। ममता बनर्जी ने चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता और पारदर्शिता पर भी सवाल उठाए। संविधान का पालन नहीं किया जा रहा है' ममता बनर्जी ने उत्तर बंगाल में रैली के दौरान कहा, 'पहचान और नागरिकता को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं, किसे वैध भारतीय मतदाता माना जाएगा और किस आधार पर भाजपा से इस पर जवाब मांगा है।' टीएमसी प्रमुख ने कहा कि 'भाजपा, चुनाव आयोग और केंद्र सरकार संविधान का पालन नहीं कर रहे हैं। ये लोगों के मतदान का अधिकार छीनने की कोशिश कर रहे हैं।' बंगाल सीएम ने तीखा हमला बोलते हुए कहा, 'आज लोगों के मतदान का अधिकार छीना जा रहा है, कल ये लोग एनआरसी से लोगों की नागरिकता छीनेंगे।

संक्षिप्त समाचार

पेट्रोल पंपों में स्टॉक की कमी नहीं, आपूर्ति निर्बाध जारीः खाद्य मंत्री राजपूत

भोपाल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा है कि 24 मार्च 2026 को प्रदेश के कुछ जिलो में पेट्रोल पंपों पर आम जनता के बीच अफवाह की स्थिति के कारण लाईनें लगने तथा उपभोक्ताओं द्वारा पेट्रोल की पैनिक खरीद का मामला संज्ञान में आया था। उन्होंने बताया है कि पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल एवं डीजल के स्टॉक की कोई कमी नहीं है। पेट्रोल, डीजल पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। डिपो से भी पेट्रोल पंपों को निरंतर आपूर्ति की जा रही है। किसी भी प्रकार की अफवाह से भ्रमित होने की आवश्यकता नहीं है। घबराहट में न तो खरीदारी करें और न ही किसी प्रकार का संग्रह करें। ऑयल कंपनी द्वारा अवगत कराया है कि, आज की स्थिति में प्रदेश में पेट्रोल/डीजल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है, वर्तमान में पेट्रोल एवं डीजल की कीमतों में कोई वृद्धि नहीं हो रही है। राज्य स्तर से नियंत्रण कक्ष एवं प्रशासन द्वारा लगातार निगरानी कर स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

रामनवमी से भोपाल-ओरछा हेलीकॉप्टर सेवा होगी प्रारंभ : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सेवा के संकल्पों के साथ देश आगे बढ़ रहा है। देश-प्रदेश के विकास और समृद्धि के लिए सशक्त कदम उठाना और उस मार्ग पर लगातार चलते रहना भी सेवा ही है। समाज के अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति के जीवन में बदलाव लाने के लिए राज्य सरकार हरसंभव प्रयास कर रही है। बच्चों की पढ़ाई, युवाओं को रोजगार, कृषि को लाभदायक बनाने और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए अनेक योजनाएं संचालित हैं। जनकल्याण और विकास निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और राज्य सरकार समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव भोजपाल महोत्सव मेला समिति द्वारा मानस भवन में आयोजित सेवा दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर आयोजित 1100 कन्याओं के पूजन तथा कन्या भोज कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कन्याओं को उपहार स्वरूप स्कूल बैग, लंच बॉक्स, कम्पॉस बॉक्स तथा वॉटर बॉटल प्रदान की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का गजमाला से अभिनंदन कर गदा भेंट की। इस अवसर पर सेवा भारती संस्था को सेवा कार्य के लिए एक लाख रूपए का चैक भी सौंपा गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार रामनवमी के पावन पर्व पर भोपाल से ओरछा तक की हेलीकॉप्टर सेवा आरंभ करने जा रही है। सनातन संस्कृति को प्रतिबद्ध राज्य सरकार की यह श्रद्धालुओं के लिए विशेष सुविधा होगी। प्रदेश के विभिन्न तीर्थ स्थलों पर भी दर्शन की सुगमता और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्थाएं की जा रही हैं। कार्यक्रम में श्री विकास वीरानी, भोजपाल महोत्सव मेला समिति के अध्यक्ष श्री सुनील यादव तथा बड़ी संख्या में स्थानीयजन उपस्थित थे।

मंत्री श्री टेटवाल ने सारंगपुर में विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की

भोपाल। मंत्री श्री टेटवाल ने सारंगपुर में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में विकास कार्यों, आधारभूत संरचना, जल संरक्षण और जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति का समग्र मूल्यांकन किया। बैठक में विभिन्न विभागों की कार्यप्रणाली की विभागवार समीक्षा करते हुए प्रशासनिक दक्षता, समयबद्धता और गुणवत्ता को केंद्र में रखने के निर्देश दिए गए। मंत्री श्री टेटवाल ने स्पष्ट कहा कि विकास कार्य केवल स्वीकृतियों तक सीमित न रहें, बल्कि धरातल पर परिणाम दिखाई दें। सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण हों, पूर्ण परियोजनाओं का त्वरित हस्तांतरण हो और उनका प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने दोहराया कि लापरवाही या अनावश्यक विलंब की स्थिति में जवाबदेही तय की जाएगी। जल संरक्षण को दी रणनीतिक दिशा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत संचालित जल संरचनात्मक कार्यों की समीक्षा करते हुए मंत्री श्री गौतम टेटवाल ने वर्षा जल संचयन, नाला उपचार और भू-जल संवर्धन से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

लोक और देश सेवी पत्रकारिता समय की मांग : राज्यपाल श्री पटेल

राज्यपाल ने हिन्दी पत्रकारिता के 200 वर्षों पर किया सम्मान

कार्यक्रम का आयोजन माधवराव सप्रे स्मृति समाचार पत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान द्वारा किया गया

भोपाल । राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि पत्रकारिता समाज, देश और दुनिया की गतिविधियों से आमजन को प्रतिदिन परिचित कराती है। समस्याओं को उजागर कर उनका समाधान प्रस्तुत करती है। नए परिवर्तनों और भविष्य के दिशा-दर्शन पर चर्चा और चिन्तन को प्रोत्साहित करती है। राज्यपाल श्री पटेल ने हिन्दी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूर्ण होने पर सभी हिन्दी प्रेमियों को बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि हिंदी के पहले समाचार पत्र 'उदंत मार्तण्ड' की संपादकीय में 'हिंदुस्तानियों के हित' को पत्रकारिता का लक्ष्य बनाया था,वह आज भी उतना ही प्रासंगिक है। पत्रकारिता का स्वरूप हमेशा जन कल्याणकारी, समाज सेवी और राष्ट्र हितैषी हो, यह समय की महती आवश्यकता भी है। राज्यपाल श्री पटेल बुधवार को माधवराव सप्रे स्मृति समाचार पत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान भोपाल द्वारा हिन्दी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने माधव राव सप्रे सम्मान से लोकमत समाचार पत्र के वरिष्ठ संपादक श्री विकास मिश्र को, महेश गुप्ता सृजन सम्मान से श्री अरूण नेथानी को और अशोक मानोरिया पुरस्कार से डॉ. बृजेश शर्मा को सम्मानित किया। स्वतंत्रता, समाज सुधार, स्वावलंबन में हिन्दी पत्रकारिता का महत्वपूर्ण योगदान राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि आयोजन का प्रसंग अतीत पर गर्व के साथ पत्रकारिता के भविष्य के लिए अपने दायित्वों के प्रति सजग रहने का अवसर है। यह केवल एक भाषा या माध्यम की यात्रा नहीं है, बल्कि यह भारत की चेतना, संघर्ष, संस्कृति और विकास की जीवंत और प्रेरक गाथा के स्मरण के द्वारा भविष्य के पथ के आलोकन का प्रसंग है। उन्होंने कहा कि भारत के नव-जागरण और समाज सुधार की अलख जगाने, स्वाधीनता आन्दोलन को जन-मानस से जोड़ने, स्वदेशी, स्वावलंबन और संस्कारवान राष्ट्र निर्माण में हिन्दी पत्रकारिता का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने भारतीयता की समृद्ध परंपरा के आधार पर हिन्दी पत्रकारिता को जनहित और राष्ट्रहित की दिशा में और अधिक मजबूत बनाने के लिए संकल्पित होने का आह्वान भी किया। राज्यपाल श्री पटेल ने आधुनिक हिन्दी भाषा और पत्रकारिता को शून्य से शिखर तक पहुँचाने वाले सभी महान कवियों, लेखकों, संपादकों और विद्वानों का पुण्य स्मरण किया।

सच की राह कठिन पर भरोसा सच से ही राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि पत्रकारिता की असली पहचान, उसकी सच्चाई खोजने की क्षमता में ही है। भले ही सच की राह कठिन हो, पर भरोसा सत्य से ही मिलता है। डिजिटल युग ने फेक न्यूज, भ्रामक सूचनाएँ और ब्रेकिंग न्यूज की अंधी दौड़ में पत्रकारिता की विश्वसनीयता, तटस्थता और नैतिक मूल्यों को बनाए रखने की अनेक चुनौतियां खड़ी की है। साथ ही रोजगार, कौशल और नवाचारों की अपार संभावनाओं के द्वार भी खोले हैं।

जल गंगा संवर्धन अभियान के लक्ष्यों का समयबद्ध क्रियान्वयन करें सुनिश्चित : अपर मुख्य सचिव श्रीमती रस्तोगी

भोपाल । पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव श्रीमती दीपाली रस्तोगी ने कहा है कि जल गंगा संवर्धन अभियान-2026 के लक्ष्यों का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को जल गंगा संवर्धन अभियान के लिये शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप कार्य करते हुए उद्देश्यों को प्रभावी रूप से पूरा करने के निर्देश दिए। अपर मुख्य सचिव श्रीमती रस्तोगी विकास भवन, भोपाल में आयोजित समीक्षा बैठक में 'जल गंगा संवर्धन अभियान-2026' के अंतर्गत संचालित गतिविधियों की विभागवार प्रगति की समीक्षा कर रही थीं। बैठक में आयुक्त म.प्र. राज्य रोजगार गारंटी परिषद श्री अवि प्रसाद ने सहभागी विभागों के उपस्थित अधिकारियों को बताया कि अभियान की प्रभावी मॉनिटरिंग एवं रिपोर्टिंग के लिए एक सिंगल डैशबोर्ड विकसित किया जा रहा है। इससे विभागों की प्रगति की नियमित समीक्षा के साथ विभागवार रैंकिंग भी की जाएगी।सहभागी विभागों द्वारा अभियान अंतर्गत संचालित गतिविधियों की जानकारी प्रस्तुत की गई। एमआईएस पोर्टल पर उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर विभागों ने अपने कार्यों की प्रगति से अवगत कराया। बैठक में जल संरक्षण, जल संवर्धन एवं जल प्रबंधन से संबंधित गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने और जनभागीदारी बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि अभियान के तहत निर्धारित कार्यों की सतत निगरानी की जा रही है। 'जल गंगा संवर्धन अभियान-2026' का प्रदेशभर में क्रियान्वयन 19 मार्च 2026 से प्रारंभ हो चुका है। अभियान का उद्देश्य जल संरक्षण एवं प्रबंधन से जुड़े कार्यों को जनसहभागिता के साथ प्रभावी रूप से लागू करना है। बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय प्रशासन, वन, जल संसाधन।

उज्जयिनी आस्था से आगे अब बनेगी उत्कर्ष की नगरी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पुराकाल से धर्म और संस्कृति की राजधानी रही उज्जयिनी अब विकास के नए आयाम गढ़ रही है। उज्जयिनी अब केवल श्रद्धा और आध्यात्म का ही केंद्र नही, उत्कर्ष, आधुनिकता और समग्र विकास की नगरी बनने की ओर अग्रसर है। हम उज्जैन को स्वास्थ्य उपचार, अधोसंरचना विकास और सांस्कृतिक वैभव के संगम के रूप में विकसित करने के लिए संकल्पित प्रयास कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को कालिदास अकादमी में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने उज्जैन जिले में आयोजित नि:शुल्क जांच एवं उपचार शिविर के समापन समारोह में सहभागिता कर उज्जैन के समग्र विकास को लेकर सरकार की प्राथमिकताएं बताईं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि उज्जैन में प्रस्तावित मेडिसिटी परियोजना शहर की पहचान को नई दिशा देगी। अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से युक्त यह मेडिसिटी न केवल उज्जैन बल्कि पूरे मालवा-निमाड़ क्षेत्र के लिए स्वास्थ्य सेवाओं का प्रमुख केंद्र बनेगी। इससे रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी गति मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि आगामी सिंहस्थ को ध्यान में रखते हुए सभी प्रकार के विकास कार्यों को तेजी से पूरा किया जा रहा है। उज्जैन की सभी दिशाओं में जरूरत के अनुसार 8 लेन, 6 लेन और 4 लेन सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है। पेयजल, स्वच्छता, परिवहन और अन्य बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है, ताकि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर और सुव्यवस्थित अनुभव मिल सके। उज्जैन में हुए नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस प्रकार के नवाचार समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण हैं। सरकार जनकल्याण के ऐसे प्रयासों को निरंतर बढ़ावा देगी। हम इसे व्यापक स्तर पर लागू करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि उज्जयिनी अब विकास, स्वास्थ्य, आध्यात्म और आधुनिकता का उभरता हुआ केंद्र बन रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हृदय जांच अभियान के लिए जिला प्रशासन को बधाई दी। उन्होंने कहा कि कोविड के बाद हार्ट अटैक की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। इन पीड़ितों में 15 से लेकर 30 साल की आयु के लोग अधिक हैं। सबसे अधिक मौतें हार्ट अटैक से हो रही है, यह आंकड़े अत्यंत कष्टकारी एवं सचेत करने वाले हैं। इस चुनौती का समाधान खोजने के लिए इंदौर, उज्जैन और आसपास के मेडिकल कॉलेज और अस्पताल एक साथ आए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अभियान में लगीं उज्जैन जिले की करीब 5000 आशा कार्यकर्ताओं को 2-2 हजार की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की और बहनों का आभार मानकर अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज जन्म दिवस के अवसर पर पहले किसान और अब आम नागरिकों की स्वास्थ्य की चिंता करते हुए सेवा की संकल्प की पूर्ति की है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पहले हृदय की बीमारी होने पर अधिकांश मरीज इलाज के लिए गुजरात जाते थे। लेकिन अब आयुष्मान भारत योजना शुरू होने के बाद उन्हें सही समय पर मध्यप्रदेश में ही उचित इलाज मिल रहा है। हृदय की बीमारियों के संदर्भ में उज्जैन में हुआ यह अभिनव प्रयास बेहद सफल रहा है। आज एक संकल्प की सिद्ध हुई है। उज्जैन जिले की धरती से एक अनोखा मॉडल बना है। अब इसे उज्जैन संभाग के शेष 6 जिलों में भी लागू किया जाएगा। उसके बाद यह अभियान प्रदेश स्तर पर क्रियान्वित होगा। आज हम सभी को यह संकल्प लेने की आवश्यकता है कि हृदय संबंधी जांच एवं बीमारियों के इलाज के लिए लोगों को प्रेरित करें। अगर किसी के साथ आर्थिक तंगी है तो राज्य सरकार मदद के लिए पूरी तरह से साथ खड़ी है।

इस अवसर पर प्रभारी मंत्री श्री गौतम टेटवाल ने भी अपने विचार व्यक्त किए और मुख्यमंत्री डॉ. यादव को जन्म दिवस की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में बताया गया कि विगत 02 माह में 104 विभिन्न स्थानों पर जांच शिविर लगाए गए। इनमें 26 हजार विभिन्न प्रकार की जांचें की गईं और 48 लोगों की सफलता पूर्वक बाईपास सर्जरी की गई।

कार्यक्रम में श्री संजय अग्रवाल, श्री राजेश धाकड़, श्री रवि सोलंकी, श्री प्रदीप उपाध्याय,श्री राय सिंह सेंधव, श्री सत्यनारायण खोईवाल, पूर्व मंत्री श्री पारस जैन, श्री रूप पमनानी,श्री राजेन्द्र भारती, सम्राट विक्रमादित्य विश्विद्यालय कुलगुरु श्री अर्पण भारद्वाज उपस्थित रहे।

ईरान के साथ शांति वार्ता पर असमंजस, यूएन में बोले इस्राइली राजदूत- कोई बातचीत नहीं, ऑपरेशन जारी

न्यूयॉर्क । ईरान और अमेरिका की शांति वार्ता पर असमंजस की स्थिति बरकरार है। अमेरिकी राष्ट्रपति दावा कर रहे हैं कि ईरान के साथ बातचीत जारी है, जबकि ईरान की सेना ने इससे इनकार किया है। अब इस्राइल ने कहा है कि उन्हें ईरान के साथ बातचीत की कोई जानकारी नहीं है और उनका ऑपरेशन जारी है।

अमेरिका और ईरान की शांति वार्ता को लेकर असमंजस जारी है। अब संयुक्त राष्ट्र में इस्राइल के राजदूत डैनी डैनन ने भी ईरान के साथ संभावित शांति वार्ता में किसी भी भागीदारी से इनकार किया है। संयुक्त राष्ट्र में मीडिया से बातचीत करते हुए डैनन ने कहा, 'मुझे किसी भी बातचीत में हमारी भागीदारी की जानकारी नहीं है। हम अपना ऑपरेशन जारी रखे हुए हैं।' उन्होंने साफ किया कि इस्राइल और अमेरिका मिलकर ईरान के सैन्य ठिकानों को निशाना बना रहे हैं और यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। इस्राइली राजदूत बोले- ईरान को फिर से संभलने का मौका नहीं देंगे डैनन ने कहा कि किसी

भी सैन्य अभियान के बाद कूटनीति जरूरी होती है, लेकिन इस्राइल यह सुनिश्चित करेगा कि ईरान न तो परमाणु क्षमता हासिल कर सके और न ही बैलिस्टिक मिसाइल क्षमता विकसित कर पाए। मुझे लगता है कि हमने बहुत कुछ हासिल कर लिया है, लेकिन ईरान इसे मानने को तैयार नहीं है। हमने ईरानी शासन को कमजोर कर दिया है, लेकिन हम ये सुनिश्चित करेंगे कि ऐसे हालात न बनने पाएं कि ईरान को फिर से मजबूत होने का मौका मिले। इस्राइली राजदूत ने दावा किया कि इस्राइल क्षेत्र में शांति और स्थिरता का पक्षधर है, जबकि ईरान का रुख इसके विपरीत है। डैनन ने आरोप लगाया कि ईरान क्षेत्र में अस्थिरता फैलाने के लिए जिम्मेदार है। स्राइली राजनयिक ने कहा कि हर देश को अपने आप से पूछना चाहिए कि कौन शांति ला रहा है और कौन अराजकता इस्राइल क्षेत्र में स्थिरता लाने की कोशिश कर रहा है और ईरान इसका उल्टा कर रहा है। ईरान ने एक महीने में 13 देशों पर हमले किए हैं। इस्राइल ने अपने 77 साल के इतिहास में कभी भी 13 देशों से लड़ाई नहीं की। इससे समझ सकते हैं कि ईरान अस्थिरता के लिए जिम्मेदार है। ईरान की ताकत खत्म, अब वो सिर्फ अंतरराष्ट्रीय समुदाय को ब्लैकमेल कर रहा इससे पहले संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में संबोधन के दौरान भी डैनन ने ईरान पर हमास जैसे संगठनों को समर्थन देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि 'इस्राइल और उसके अमेरिकी सहयोगियों ने 8,500 से ज्यादा हमले कर ईरान के मिसाइल लॉन्चर, हथियार उत्पादन केंद्र और कमांड ढांचे को निशाना बनाया है। ईरान की वायु सेना और नौसेना तबाह हो चुकी है। अब ईरान अंतरराष्ट्रीय समुदाय को ब्लैकमेल करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन इसे सफल नहीं होने दिया जाएगा।' वहीं, डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि ईरान के साथ बातचीत जारी है और युद्ध खत्म होने की दिशा में बढ़ रहा है। ट्रंप ने दावा किया कि ईरान की सैन्य क्षमता काफी हद तक खत्म हो चुकी है और अमेरिका इस युद्ध को समाप्त करने के करीब है। हालांकि, ईरान की ओर से अब तक किसी औपचारिक वार्ता की पुष्टि नहीं की गई है।

पाकिस्तान की अफगानिस्तान पर एयरस्ट्राइक, 400 की मौत-250 घायल; अस्पताल पर की बमबारी

काबुल ,। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सोमवार रात पाकिस्तान द्वारा अफगानिस्तान की राजधानी काबुल पर एयरस्ट्राइक किए जाने का दावा किया गया है। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि पाकिस्तानी एयरफोर्स के लड़ाकू विमानों ने काबुल के कई इलाकों को निशाना बनाया, जिनमें एक अस्पताल भी शामिल बताया जा रहा है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक इस हमले में लगभग 400 लोगों की मौत और 250 से अधिक लोगों के घायल होने की खबर है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार दारुलअमान, अरजान कीमत, खैरखाना और काबुल इंटरनेशनल एयरपोर्ट के आसपास कई जगहों पर धमाकों और गोलीबारी की आवाजें सुनी गईं। तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने आरोप लगाया है कि पाकिस्तानी सेना ने काबुल में एक नशा मुक्ति अस्पताल को निशाना बनाते हुए बम गिराए। तालिबान प्रशासन ने इस हमले की कड़ी निंदा की है और इसे मानवता के खिलाफ अपराध बताया है। साथ ही कहा गया है कि यह अफगानिस्तान के एयरस्पेस का उल्लंघन है।

अफगानिस्तान सरकार के डिप्टी प्रवक्ता हमदुल्लाह फितरत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर जानकारी दी कि यह हमला स्थानीय समयानुसार रात करीब 9 बजे हुआ।

संक्षिप्त समाचार

हमें मिले हैं बातचीत के प्रस्तावव्कर रहे हैं विचार', ईरानी विदेश मंत्रालय ने मानी अमेरिका से वार्ता की बात

तेहरान',। ईरान को अमेरिका की ओर से मध्यस्थों के जरिए संदेश मिला है, जिससे कूटनीतिक बातचीत की संभावना बनती दिख रही है। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अमेरिका ने कुछ अहम प्रस्ताव भेजे हैं, जिनकी समीक्षा की जा रही है। अधिकारी ने कहा, हमें अमेरिका की ओर से कुछ बिंदु मिले हैं और हम उन पर विचार कर रहे हैं। इससे संकेत मिलता है कि तनाव के बावजूद दोनों देशों के बीच अप्रत्यक्ष बातचीत जारी है। ईरान का यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि ईरान के साथ समझौता संभव है, जबकि खाड़ी क्षेत्र में तनाव अब भी बना हुआ है। इस स्थिति का असर वैश्विक ऊर्जा बाजार पर भी पड़ रहा है और कई देश तनाव कम करने की कोशिशों में जुटे हैं। इससे पहले ईरान ने अमेरिका के साथ किसी भी बातचीत से इनकार किया था, लेकिन अब उसने माना है कि मध्यस्थों के जरिए प्रस्ताव उस तक पहुंचा है। एसोसिएटेड प्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, कई देश तनाव कम करने के लिए सक्रिय हो गए हैं। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने तुर्की के विदेश मंत्री हाकान फिदेन से फोन पर बातचीत की। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि तुर्की क्या संदेश पहुंचा रहा है, लेकिन यह जरूर सामने आया है कि फिदेन ने कतर, सऊदी अरब, पाकिस्तान, मिस्र, यूरोपीय संघ और अमेरिकी अधिकारियों से भी संपर्क किया है। तुर्की पहले भी ईरान और अमेरिका के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभा चुका है। ङ्गमिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतेह अल-सीसी ने कहा कि उन्होंने ईरान को तनाव कम करने के लिए स्पष्ट संदेश भेजे हैं। मिस्र के विदेश मंत्रालय के अनुसार, वह सभी पक्षों के साथ लगातार संपर्क में है। एक मिस्री अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि संदेश ऊर्जा ढांचे पर हमलों को रोकने से संबंधित हैं। खाड़ी देश भी इस प्रयास में लगे हैं कि संघर्ष ऊर्जा सुविधाओं तक न पहुंचे।1 इस बीच, डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को दावा किया कि अमेरिका और ईरान के बीच सकारात्मक बातचीत हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के ऊर्जा ढांचे पर संभावित हमलों को पांच दिनों के लिए टाल दिया गया है। ट्रंप के मुताबिक, हमारी बातचीत बहुत मजबूत रही है और लगभग सभी मुद्दों पर सहमति बन सकती है। हालांकि, उन्होंने यह भी दावा किया कि ईरान की ओर से प्रतिनिधियों की बातचीत वहां के स्पीकर मोहम्मद बघेर गालिबाफ से हो रही है, जिसे गालिबाफ ने खारिज कर दिया। गालिबाफ ने इन खबरों को फेक न्यूज बताते हुए कहा कि अमेरिका बाजार को प्रभावित करने और अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए इस तरह की बातें फैला रहा है।

जंग को 17 दिन बीते, फिर भी सत्ता नहीं बदल पाए डोनाल्ड , एक्सपर्ट्स बोले- ईरान में बाजी पलटने की ताकत

ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजरायल की जंग को 17 दिन हो चुके हैं, लेकिन अभी तक इसका स्पष्ट नतीजा सामने नहीं आया है। इस बीच खबरें हैं कि अमेरिकी राष्ट्रपति छ्रश्ठ्ठड्डद्यस्र ञ्जह्वद्धश्च जल्द ही ईरान पर जीत का दावा कर सकते हैं। हालांकि अंतिम परिणाम काफी हद तक इस बात पर निर्भर करेगा कि ईरान आगे कौन सा कदम उठाता है। की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अगर ईरान इस युद्ध को जारी रखता है, जहाजों पर हमले नहीं रोकता या अमेरिका-इजरायल को इसी तरह जवाब देता रहता है, तो संघर्ष जल्द खत्म होने की संभावना कम है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान की नौसेना के बड़े हिस्से को नुकसान पहुंचा है और उसकी कई मिसाइलें भी नष्ट हो चुकी हैं। इसके अलावा ईरान के कुछ शीर्ष सैन्य नेता भी मारे जाने की खबर है।

हालांकि ट्रंप का राजनीतिक उद्देश्य अभी पूरा नहीं हुआ है। वह कई बार ईरान में सत्ता परिवर्तन की बात कर चुके हैं, लेकिन अभी तक वहां ऐसा नहीं हुआ है। दूसरी ओर, ईरान ने रणनीतिक रूप से बेहद अहम स्ह्लह्ड्डद्बह्ल शद्घ ॥शह्म्द्वह्व5 पर नियंत्रण बनाए रखा है, जिससे वैश्विक तेल बाजार में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि ईरान अभी भी स्थिति को पलटने की क्षमता रखता है।

लेबनान ने ईरान के राजदूत को देश छोड़ने का आदेश दिया; इस्राइली हमले में नौ की मौत

इजरायल ने सीरिया में किए हवाई हमले, एक की मौत, सात घायल

दमिश्क ,। इजरायल ने एक बार फिर सीरिया में हवाई हमला किया है, जिसमें एक सैनिक की मौत हो गई है, जबकि सात लोग घायल हुए हैं।सीरिया के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि इजरायल ने सीरिया की राजधानी दमिश्क और मध्य प्रांत होम्स में स्थित एक सैन्य स्थल पर गुरुवार को हवाई हमला किया। इस हमले में एक सैनिक की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि ये हवाई हमले स्थानीय समयानुसार सुबह 3.40 बजे के करीब गोलान हाइट्स और उत्तरी लेबनान की दिशा से किए गए थे।

भारत से विवादों के बीच पीएम ट्रूडो की कुर्सी खतरे में, अपनी ही पार्टी के सांसदों ने खोला मोर्चा; मांगा इस्तीफा

टोरंटो । भारत से जारी विवाद के बीच कनाडा के पीएम ट्रूडो की मुश्किलें बड़ी गई हैं। दरअसल पीएम ट्रूडो की पार्टी के सांसदों ने ही उन्हें चौथे कार्यकाल के लिए दावेदारी पेश नहीं करने और पद से इस्तीफा देने को कहा है। इतना ही नहीं लिबरल पार्टी के सांसदों ने ट्रूडो को इस पर फैसला लेने के लिए 28 अक्तूबर तक की डेडलाइन तय कर दी। कुछ सांसदों ने तो यहां तक कह दिया कि अगर 28 अक्तूबर तक ट्रूडो ने पद छोड़ने का फैसला नहीं किया तो उन्हें इसके गंभीर नतीजे भुगतने होंगे। कनाडा में जस्टिन ट्रूडो और उनकी पार्टी की लोकप्रियता में भारी गिरावट आई है।

नहीं माना ईरान! इजरायल पर दागीं मिसाइलें, कुवैत का भी ड्रोन हमलों का दावा; ट्रंप के एलान के बाद भी हमले जारी

तेहरान/तेल मार्च,। अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच जारी तनाव को कम करने के लिए कूटनीतिक प्रयास तेज हुए हैं, लेकिन हालात अब भी सामान्य होते नहीं दिख रहे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के ऊर्जा और पावर इंफ्रास्ट्रक्चर पर संभावित हमलों को पांच दिनों के लिए टालने का ऐलान किया है। ताजा घटनाक्रम में इजरायल ने दावा किया है कि ईरान की ओर से मिसाइलें दागी जा रही हैं। वहीं कुवैत ने भी ड्रोन और मिसाइल हमलों की बात कही है।

इजरायली सेना ने मंगलवार सुबह नागरिकों के लिए आपातकालीन चेतावनी जारी की।

सरकार का बड़ा फैसला, 16 साल से कम उम्र के बच्चों के इलेक्ट्रिक मोबिलिटी डिवाइस चलाने पर प्रतिबंध

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड राज्य में नए सुरक्षा कानूनों के तहत 16 साल से कम उम्र के बच्चों को इलेक्ट्रिक मोबिलिटी डिवाइस (जैसे ई-बाइक और ई-स्कूटर) चलाने की अनुमति नहीं होगी। यह फैसला मंगलवार को घोषित किया गया। राज्य सरकार ने बताया कि ई-मोबिलिटी सुरक्षा पर बनी संसदीय समिति की सभी 28 सिफारिशों को पूरी तरह या सिद्धांत रूप में स्वीकार कर लिया गया है। इनमें 16 साल से कम उम्र के बच्चों पर प्रतिबंध भी शामिल है। क्वींसलैंड के परिवहन मंत्री ब्रेंट मिकेलबर्ग ने कहा कि सरकार जल्द ही इन सिफारिशों को कानून बनाने के लिए संसद में पेश करेगी।नए नियमों के मुताबिक, ई-बाइक और ई-स्कूटर चलाने के लिए कम से कम क्वींसलैंड का लर्नर ड्राइविंग लाइसेंस होना जरूरी होगा। यह लाइसेंस 16 साल की उम्र में मिलता है, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि चलाने वाले को ट्रैफिक नियमों की जानकारी हो। जांच में सामने आया कि साल 2025 में क्वींसलैंड में ई-मोबिलिटी से जुड़े हादसों में 12 लोगों की मौत हुई और 6,300 लोग घायल हुए। मिकेलबर्ग ने मंगलवार को कहा, हम 16 साल से कम उम्र वालों पर इन डिवाइस के इस्तेमाल पर रोक लगा रहे हैं, क्योंकि बच्चों की सुरक्षा सबसे ज़्यादा ज़रूरी है।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, नए कानूनों के तहत फुटपाथों पर ई-मोबिलिटी डिवाइस के लिए 10 किलोमीटर प्रति घंटे की गति सीमा भी तय की जाएगी। साथ ही, पुलिस को अवैध डिवाइस ज़ब्त करने और नष्ट करने के अतिरिक्त अधिकार दिए जाएंगे, और वे चालकों का अचानक 'ब्रीथ टेस्ट' (सांस की जांच) भी कर सकेंगे।

ट्रूडो की विदाई पर राष्ट्रीय अवकाश घोषित हो, अपने ही पीएम पर हंस रहे कनाडा के लोग

कनाडा , । भारत और कनाडा के बीच रिश्तों में आई कड़वाहट और बढ़ती जा रही है। इसी बीच कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को अपने ही लोगों के गुस्से का शिकार होना पड़ रहा है। सोशल मीडिया पर लोग ट्रूडो की विदाई पर राष्ट्रीय अवकाश घोषित करने की मांग कर रहे हैं।लोगों का कहना है कि ट्रूडो ने भारत के साथ जारी राजनायिक विवाद को कूटनीतिक तौर पर हल करने के बजाय और बढ़ा दिया है जिससे एक महत्वपूर्ण साझेदार देश कनाडा से अलग हो गया है। सोशल मीडिया पर लोगों का गुस्सा उस समय और भड़क गया जब ये खुलासा हुआ कि जस्टिन ट्रूडो के करीबी सहयोगियों ने भारत के संबंध में खुफिया जानकारी सबसे पहले एक अमेरिकी अखबार को दी थी, जबकि पुलिस ने उसके बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस की। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के दो वरिष्ठ सहयोगी ने अमेरिका के एक समाचार पत्र को भारत से संबंधित गोपनीय जानकारी साझा की थी। इनमें ट्रूडो की राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार नथाली ड्रूइन भी शामिल हैं। इस जानकारी में कनाडा के मामलों में भारत के 'हस्तक्षेप' का दावा किया गया। ये खुलासा एक कनाडाई अखबार ने किया है। यह जानकारी उस समय दी गई थी जब कनाडा की संघीय पुलिस ने आरोप लगाया था कि भारतीय सरकार के 'एजेंट' अपराधी गिरोहों के साथ काम करते हैं ताकि दक्षिण एशियाई लोगों, विशेष रूप से खालिस्तानी समर्थकों को निशाना बनाया जा सके। रॉयल कनाडियन माउंटेड पुलिस के आयुक्त माइक दुहेम और उनकी डिप्टी ब्रिगिट गौविन ने मीडिया से कहा कि उन्हें विश्वास है कि भारतीय सरकारी 'एजेंट' का लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के साथ संबंध है और वे कनाडा के नागरिक, खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में शामिल हैं। हरदीप सिंह निज्जर की हत्या पिछले साल जून में हुई थी। इसके अलावा, उन्होंने 'वसूली, धमकी और दबाव' के मामलों में भी भारत का हाथ होने का आरोप लगाया। भारत ने इन आरोपों को सख्ती से खारिज किया और इन्हें 'बेतुका आरोप' बताया। भारत ने यह भी कहा कि जब से यह आरोप लगाए गए हैं तब से कनाडाई सरकार ने भारत सरकार के साथ कोई ठोस सबूत साझा नहीं किया है, जबकि कई बार अनुरोध किया गया। अमेरिकी समाचार पत्र को निर्देश दिया गया था कि वह तब तक कुछ भी रिपोर्ट न करे जब तक दुहेम और गौविन अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं कर लेते। बाद में समाचार पत्र ने 'कनाडाई अधिकारियों' का हवाला देते हुए रिपोर्ट प्रकाशित की, जिन्होंने निज्जर की हत्या को भारत से जोड़ा, हालांकि संघीय पुलिस ने ऐसा नहीं किया था। इससे पता चलता है कि ट्रूडो सरकार के तहत काम करने वाले बड़े कनाडाई अधिकारी गोपनीय जानकारी पुलिस के पास जाने से पहले अखबरों को दे रहे हैं। एक्स पर एक यूजर ने अपनी भड़ास निकालते हुए लिखा, यह स्थिति स्पष्ट हो चुकी है

ईरान संघर्ष को लेकर ट्रंप पर बरसे डेमोक्रेट हकीम जेफ्रीज, बोले- अमेरिका को बेवजह युद्ध में धकेल दिया

वाशिंगटन ,। अमेरिका में ईरान के साथ बढ़ते सैन्य तनाव और घरेलू आर्थिक मुद्दों को लेकर राजनीतिक घमासान तेज हो गया है। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता हकीम जेफ्रीज ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रिपब्लिकन पार्टी पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि रिपब्लिकन नीतियों ने आम अमेरिकी नागरिकों की जिंदगी महंगी बना दी है और देश को ईरान के खिलाफ 'लापरवाह और बेवजह के युद्ध' में धकेल दिया है।

समाचार वार्ता में जेफ्रीज ने कहा कि यह अमेरिका के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण समय है। राष्ट्रपति ट्रंप और रिपब्लिकन की नीतियों ने अमेरिकी लोगों की जीवन गुणवत्ता को नुकसान पहुंचाया है। इन नीतियों के कारण आम लोगों पर आर्थिक दबाव लगातार बढ़ रहा है। जेफ्रीज ने दावा किया कि रिपब्लिकन नीतियों की वजह से स्वास्थ्य सेवा, ईंधन, आवास, बच्चों की देखभाल और खाने-पीने की चीजों की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है।

मध्य पूर्व में हिंसा की बड़ी कीमत चुका रहे बच्चे, संघर्ष में 2,100 से ज्यादा हताहत; यूएन ने जताई चिंता

संयुक्त राष्ट्र । मध्य पूर्व में बढ़ते सैन्य संघर्ष के बाद से अब तक 2,100 से अधिक बच्चे या तो मारे जा चुके हैं या घायल हुए हैं। यह जानकारी संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) के उप कार्यकारी निदेशक टेड चैबन ने दी। उन्होंने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि संघर्ष शुरू हुए 23 दिन हो चुके हैं और इस दौरान पूरे क्षेत्र के बच्चे सबसे ज्यादा नुकसान झेल रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर यह लड़ाई और लंबी चली या बड़े स्तर पर फैल गई, तो लाखों और बच्चों के लिए स्थिति बेहद भयावह हो सकती है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने बताया कि मारे गए लोगों में 206 बच्चे ईरान में, 118 लेबनान में, चार इजरायल में और एक कुवैत में शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि युद्ध शुरू होने के बाद से हर दिन औसतन 87 बच्चे या तो मारे जा रहे हैं या घायल हो रहे हैं। मौत और चोटों के अलावा, लगातार हो रही बमबारी और लोगों को जगह खाली करने के आदेशों के कारण कई देशों में बड़ी संख्या में लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं।

ईरान में संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी के अनुमान के मुताबिक करीब 32 लाख लोग विस्थापित हुए हैं, जिनमें लगभग 8 लाख 64 हजार बच्चे शामिल हैं। वहीं लेबनान में 10 लाख से ज्यादा लोग अपने घर छोड़ चुके हैं, जिनमें करीब 3 लाख 70 हजार बच्चे हैं। चैबन ने कहा कि इस संघर्ष के बढ़ने से पहले ही मध्य पूर्व में लगभग 4 करोड़ 48 लाख बच्चे ऐसे हालात में रह रहे थे, जो पहले से ही संघर्ष से प्रभावित थे।

हाल ही में लेबनान के अपने दौरे का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वहां की स्थिति बेहद चिंताजनक है और पूरे क्षेत्र में जो हो रहा है, उस पर दुनिया का पूरा ध्यान और मिलकर कार्रवाई जरूरी है। लेबनान में 350 से ज्यादा सरकारी स्कूलों को राहत शिविर बना दिया गया है, जिससे करीब 1 लाख बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हुई है।

संपादीकय

भारत की विदेश नीति में ईरान के लिए आँसू नहीं होंगे

मैं प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई के समय से भारत के इज़्राइल से संबंधों का हिमायती हूं। उस नाते प्रधानमंत्री नरसिंह राव ने जनवरी 1992 में हिम्मत दिखाकर इज़्राइल से पूर्ण राजनयिक संबंध बनाए और राजदूतों की नियुक्ति हुई, तब मैंने इसी कॉलम में वाह की थी। मगर इस सप्ताह नरेंद्र मोदी और नेतन्याहू के फोटोशूट में तो ग़ज़ब ही हुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने इज़्राइल की संसद केनेस्सेट में भाषण से दो देशों का वह मिलाप बनाया जिसकी किसी ने कल्पना नहीं की थी। उन्होंने दुनिया, पश्चिमी एशिया, इस्लामी-अरब देशों की जमात सभी को बता दिया कि भारत केवल इज़्राइल का सगा है। पता नहीं मोदी का भाषण किसने लिखा, मगर जब उन्होंने खुद अपनी ज़ुबानी कहा है तो यह साफ जाहिर हुआ मानो उनकी कूटनीति का एकमेव सत्य भारत और इज़्राइल एक-दूसरे के लिए! सो मोदी ने सिंधु घाटी और जॉर्डन घाटी का उल्लेख कर आदिकाल में बने भारत-इजराइल संबंध बताए। उन्होंने 'तिक्कुन ओलाम' (दुनिया को सुधारने का हिब्रू विचार) और 'वसुधैव कुटुम्बकम्' (संसार एक परिवार है) को साथ रखा। उन्होंने हनुक्का और पुरिम को दीवाली और होली से जोड़ा।

मतलब कूटनीति, व्यापार और सहयोग अपनी जगह असल बात- मोदीजी ने जैसे रामलला की ऊंगली पकड उन्हे मंदिर में बैठाया वैसे ही उनके सौजन्य से दो प्राचीन सभ्यताओं मतलब फादरलैंड व मदरलैंड का अंतत: हुआ मिलाप । मोदी ने स्वंय संसद में फादरलैंड, मदरलैंड शब्द का उपयोग किया। हालांकि उनका वाक्य यह परिप्रेक्ष्य लिए हुए था कि इज़्राइल में रह रहे भारतीय मूल के यहूदी समुदाय भावनात्मक रूप से इज़्राइल को अपनी पितृभूमि और भारत को अपनी मातृभूमि मानते हैं। वे दृढ़ता से मानते हैं कि इज़्राइल उनकी पितृभूमि है और भारत उनकी मातृभूमि।

इस वाक्य के अलावा भाषण में सिंधु घाटी और जॉर्डन घाटी की दो सभ्यताओं के मिलाप और अम यिस्राएल खाई के साथ जय हिंद का नारा भी बोला। कुल मिलाकर भारत और इज़्राइल के अस्तित्व और यात्रा की एक साझा कथा बनाते हुए फादरलैंड, मदरलैंड की तुकबंदी बनाई। इज़्राइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू तथा इज़्राइली मीडिया का गदगद होना स्वभाविक था। यों भी नेतन्याहू ने स्वागत भाषम में ही मोदी का यह कहते हुए अभिनंदन किया—7 अक्टूबर के भयानक नरसंहार के तुरंत बाद आप स्पष्ट, नैतिक और दृढ़ता से इज़्राइल के साथ खड़े हुए। आपने डगमगाहट नहीं दिखाई। आपने बहाने नहीं बनाए। आप सच के साथ खड़े रहे।

इसलिए सोशल मीडिया में फादरलैंड, मदरलैंड की तुकबंदी अपनी जगह है मगर असल बात है कि भारत-इज़्राइल के सामरिक-सैनिक संबंध ठोस हो गए हैं। पाकिस्तान ने सऊदी अरब के साथ सुरक्षा संधि कर अपना जो रणनीतिक दांव चला, उसके जवाब में भारत-इज़्राइल की फादरलैंड, मदरलैंड वाली साझेदारी की अब कोई काट नहीं है। हो इसलिए यदि अगले सप्ताह अमेरिका ने ईरान पर हमला किया, तो भारत की विदेश नीति में ईरान के लिए आँसू नहीं होंगे। इसका एक और पुख्ता निष्कर्ष यह भी है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जो कहेंगे, जो चाहेंगे, उस पर मोदी सरकार ना-नुकूर नहीं कर पाएगी। कैसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पांच जनवरी 2022 को पंजाब के दौरे पर थे और फिरोजपुर के कार्यक्रम में शामिल हुए बैगर वे वापिस लौटे थे। प्रधानमंत्री हुसैनीवाला शहीद स्मारक पर जाने के लिए निकले थे। मौसम खराब होने की वजह से वे सड़क के रास्ते जा रहे थे। एक फ्लाईओवर पर लोगों की भीड़ ने जाम लगा रखा था। वहां थोड़ी देर रूकने के बाद प्रधानमंत्री मोदी वापस लौट आए थे और बठिंडा हवाईअड्डे पर उन्होंने पंजाब के अधिकारियों से कहा था, अपने 'सीएम को थैंक्स कहना कि मैं बठिंडा एयरपोर्ट तक जिंदा लौट पाया'। सोचें, पंजाब के किसानों की नाराजगी थी और वे प्रदर्शन कर रहे थे। अपने ही लोगों के प्रदर्शन से घबरा कर प्रधानमंत्री वापस लौटे और ऐसा प्रकट किया, जैसे भीड़ उनकी जान लेने के लिए इकट्ठा थी।

खेलो इंडिया जनजातीय खेल: भारत के ओलंपिक सपनों की ओर एक मजबूत कदम

भारत की खेल यात्रा अद्भुत विविधता से भरी हुई है। उत्तर-पूर्व के पहाड़ों से लेकर मध्य भारत के जंगलों तक, हमारे देश के हर कोने में प्रतिभा मौजूद है। खेलो इंडिया कार्यक्रम की शुरुआत को अब आठ वर्ष हो चुके हैं, और इतने कम समय में यह एक राष्ट्रीय आंदोलन के रूप में विकसित हो चुका है। युवा खेल, विश्वविद्यालय खेल, बीच गेम्स और विंटर गेम्स जैसे विभिन्न आयामों के माध्यम से, खेलो इंडिया ने देशभर के युवा खिलाड़ियों की विविध प्रतिभाओं को पहचानने और उभारने में सफलता प्राप्त की है।

खेलो इंडिया जनजातीय खेल (केआईटीजी) का समावेश इस यात्रा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। इसका पहला संस्करण 25 मार्च से 3 अप्रैल तक छत्तीसगढ़ में आयोजित किया जाएगा, जिसमें 31 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लगभग 3,000 खिलाड़ी भाग लेंगे। इन खेलों में सात पदक खेल शामिल होंगे—एथलेटिक्स, फुटबॉल, हॉकी, भारोत्तोलन , तीरंदाजी, तैराकी और कुश्ती प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

इन खेलों का आयोजन बस्तर क्षेत्र के जनजातीय बहुल जिलों, जो प्राचीन दंडकारण्य क्षेत्र का हिस्सा हैं, के साथ-साथ सरगुजा क्षेत्र, रायगढ़ और मानपुर जैसे क्षेत्रों में किया जाएगा। यह केवल एक और खेल प्रतियोगिता की शुरुआत नहीं है, बल्कि यह हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस संकल्प का हिस्सा है, जिसके तहत भारत के खेल पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) को व्यापक बनाते हुए हर खिलाड़ी तक अवसर पहुँचाना है—चाहे वह किसी भी भौगोलिक या सामाजिक पृष्ठभूमि से आता हो। सीधे शब्दों में कहें तो यह हाशिए पर पड़े खिलाड़ियों को मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास है।

जनजातीय क्षेत्रों के खिलाड़ियों ने लंबे समय से देश को गौरवान्वित किया है। राजस्थान के महान तीरंदाज लिम्बा राम से लेकर झारखंड की तीरंदाजी स्टार दीपिका कुमारी तक, और अनेक हॉकी खिलाड़ियों से लेकर ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू तक, उनकी उपलब्धियाँ लाखों लोगों को प्रेरित करती हैं। ये उदाहरण इन क्षेत्रों में निहित अपार संभावनाओं को दर्शाते हैं।

कई जनजातीय क्षेत्र ऐसे भी हैं जो ऐतिहासिक रूप से सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों का सामना करते रहे हैं। इन क्षेत्रों के युवाओं के लिए पहचान और विकास के अवसर सीमित रहे हैं। ऐसे में, इन क्षेत्रों में संगठित खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक और राष्ट्र निर्माण की दिशा में मोड़ने का कार्य करता है। यह अनिश्चितता को अवसर में और अलगाव को समावेशन में बदलने का प्रयास है।

वास्तव में, हमारे माननीय प्रधानमंत्री, नरेंद्र मोदी का दृष्टिकोण—खेलेगा भारत तो खिलेगा भारत—आज साकार हो रहा है। खेल आज एक सशक्त माध्यम और समान अवसर प्रदान करने वाला साधन बन चुका है, जो वंचित वर्गों के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बनाने का अवसर देता है। जनजातीय क्षेत्रों में खेलो इंडिया का विस्तार इसी दृष्टि का स्वाभाविक विस्तार है और यह इस विश्वास को मजबूत करता है कि खेल राष्ट्र निर्माण का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है।

खेलो इंडिया जनजातीय खेलों का आयोजन स्थानीय खेल पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) पर भी दीर्घकालिक प्रभाव डालेगा। इससे जनजातीय क्षेत्रों में खेल अवसंरचना का विकास और उन्नयन होगा, साथ ही स्थानीय कोच, प्रशिक्षकों और सहयोगी कर्मचारियों के लिए रोजगार के अवसर भी उत्पन्न होंगे। स्कूलों और सामुदायिक संस्थानों को दैनिक जीवन में खेल को शामिल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा, जिससे जमीनी स्तर पर एक स्थायी और समावेशी खेल संस्कृति विकसित हो सके।

ये खेलो इंडिया जनजातीय खेल केवल एक बार आयोजित होने वाला आयोजन नहीं हैं, बल्कि इन्हें खेलो इंडिया के वार्षिक कैलेंडर में स्थायी स्थान दिया जाएगा। इससे देशभर के जनजातीय खिलाड़ियों को निरंतर और नियमित मंच मिलेगा, जो उनके दीर्घकालिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। प्रत्येक संस्करण के साथ ये खेल व्यापक खेलो इंडिया (इकोसिस्टम) पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एक आधार के रूप में कार्य करेंगे। इस दृष्टि से, जनजातीय खेल केवल एक मंच नहीं, बल्कि एक समृद्ध खेल संसार में प्रवेश का द्वार हैं।

इन खेलों के माध्यम से हम प्रतिभाओं की पहचान और उनके विकास का लक्ष्य रखते हैं। राष्ट्रीय कोच, उच्च प्रदर्शन निदेशक और भारतीय खेल प्राधिकरण के तकनीकी विशेषज्ञ इन खेलों में उपस्थित रहेंगे। चयनित खिलाड़ियों को उन्नत प्रशिक्षण के लिए भाखेप्रा केंद्रों में भेजा जाएगा, जिससे वे अपने खेल करियर को नई ऊँचाइयों तक ले जा सकें।

जैसे-जैसे भारत 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की तैयारी कर रहा है और 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए प्रयासरत है, वैसे-वैसे प्रतिभाओं का दायरा बढ़ाना और भी आवश्यक हो जाता है। इसका अर्थ है देश के हर कोने तक पहुँचना और यह सुनिश्चित करना कि हर युवा खिलाड़ी—विशेषकर जनजातीय समुदायों से—अवसरों से वंचित न रहे। जनजातीय खेलों की शुरुआत इसी सोच का परिणाम है और यह भारत के विकसित होते खेल तंत्र की मजबूती को दर्शाता है।

खेल उत्कृष्टता की यात्रा अक्सर उन गाँवों और समुदायों से शुरू होती है जहाँ सपने तो होते हैं, लेकिन अवसर सीमित होते हैं। खेलो इंडिया जनजातीय खेलों के माध्यम से, सरकार खेल को इन्हीं क्षेत्रों तक पहुँचा रही है। इस प्रक्रिया में हम न केवल भविष्य के चैंपियनों को खोज रहे हैं, बल्कि भारत की प्रतिभा श्रृंखला को भी सशक्त बना रहे हैं, ताकि हम एक वैश्विक खेल महाशक्ति बनने की दिशा में आगे बढ़ सकें और 2036 तक शीर्ष 10 तथा 2047 तक शीर्ष 5 खेल राष्ट्र बनने के प्रधानमंत्री के लक्ष्य को साकार कर सकें।

(लेखक भारत सरकार में युवा कार्यक्रम एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री हैं।)पश्चिम बंगाल की राजनीति में नए समीकरण बनने की आहट अक्सर सियासी बहस को तेज कर देती है। हाल के दिनों में हुमायु कबीर और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के संभावित गठबंधन की चर्चा इसी संदर्भ में देखी जा रही है। सवाल यह है कि क्या इससे तृणमूल कांग्रेस कमजोर होगी? जबकि ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस पार्टी (टीएमसी) की पकड़ बहुत मजबूत है। गांव-गांव ममता की की छवि प्रभावशील नेता के रूप में विख्यात है। ममता दीदी के नाम से सब जगह उन्हें प्यार दुलार के रूप में देखा जाता है। ममता को कम आंकना बेइमानी होगी। वहीं भाजपा को अन्य राज्यों में हुए चुनाव में समीकरण देखने से पता चता है

व्यापार

ईरान युद्ध के कारण वैश्विक अस्थिरता के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत : आरबीआई बुलेटिन

नई दिल्ली ',। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के मासिक बुलेटिन में कहा गया कि मध्य पूर्व में चल रहे युद्ध और वैश्विक बाजारों में बढ़ती अस्थिरता के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। 2025-26 के लिए जीडीपी के दूसरे अग्रिम अनुमान भी इस मजबूती को दर्शाते हैं। आरबीआई बुलेटिन के मुताबिक, फरवरी में देश की आर्थिक गतिविधियों में तेजी देखने को मिली। महंगाई (सीपीआई) में बढ़ोतरी खाद्य और पेय पदार्थों की वजह से हुई। सिस्टम में नकदी (लिक्विडिटी) पर्याप्त बनी रही और व्यापारिक क्षेत्र को मिलने वाली वित्तीय सहायता में भी बढ़ोतरी हुई। साथ ही भारत के विदेशी मुद्रा भंडार भी इतने मजबूत हैं कि बाहरी झटकों से बचाव कर सकें। रिपोर्ट में कहा गया कि मध्य पूर्व में युद्ध और अमेरिका द्वारा व्यापार जांच शुरू किए जाने से वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा, आयात शुल्क और सप्लाई चेन को लेकर अनिश्चितता बढ़ गई है। अगर यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है, तो इसका असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। घरेलू स्तर पर, भारत की कच्चे तेल पर निर्भरता को देखते हुए स्थिति पर नजर रखना जरूरी है। हालांकि, आरबीआई ने कहा कि समय के साथ भारत की अर्थव्यवस्था बाहरी झटकों को झेलने में ज्यादा सक्षम हुई है, जिसकी वजह मजबूत ग्रोथ, बेहतर आर्थिक आधार और मजबूत विदेशी सेक्टर है। ऊर्जा सुरक्षा के मामले में भारत ने अपने तेल आयात के स्रोतों में विविधता लाई है और रिफाइनिंग क्षमता भी बढ़ाई है। युद्ध शुरू होने के बाद सरकार ने कई कदम उठाए हैं ताकि वैश्विक सप्लाई में आई बाधाओं का असर कम किया जा सके और घरेलू संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल हो सके। आरबीआई ने यह भी सुझाव दिया कि %इकोनॉमिक स्टेबलाइजेशन फंड% बनाने से सरकार को ऐसे वैश्विक संकटों से निपटने के लिए अतिरिक्त वित्तीय सहारा मिल सकता है। जीडीपी के आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में आर्थिक वृद्धि मजबूत बनी हुई है, जिसमें घरेलू मांग का बड़ा योगदान है। निजी खपत और निवेश दोनों मजबूत रहे हैं। तीसरी तिमाही में अर्थव्यवस्था 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी। फरवरी में शहरी और ग्रामीण दोनों बाजारों में मांग मजबूत रही। कम टैक्स, खरीफ फसल से आय और शादी के सीजन ने इसमें मदद की। इस दौरान टू-व्हीलर, पैसेंजर वाहन और ट्रैक्टर की बिक्री फरवरी में रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। वहीं कृषि क्षेत्र भी मजबूत रहा और वित्त वर्ष 2026 में खाद्यान्न उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर रहने का अनुमान है।

7000 हजार रुपए से ज्यादा सस्ता हुआ सोना, चांदी की कीमतों में भी गिरावट; जानें क्या हैं नए दाम

मुंबई ,,। मिडिल-ईस्ट में जारी तनाव के बीच सोने और चांदी की कीमतों में तेज गिरावट दर्ज की गई है। आमतौर पर सुरक्षित निवेश माने जाने वाला सोना इस बार दबाव में नजर आ रहा है और सालभर की अपनी बढ़त लगभग गंवाने की स्थिति में पहुंच गया है। रपोर्ट के मुताबिक, हालिया कारोबार में सोने की कीमत करीब 3.8त्न गिरकर 4,320 डॉलर प्रति औंस तक आ गई, जो पिछले साल के स्तर के करीब है। लगातार आठ सत्रों से जारी गिरावट ने बाजार को चौंका दिया है और इसे 1983 के बाद की सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावटों में गिना जा रहा है। घरेलू बाजार में भी इसका असर साफ दिखा। स्ष्टङ्ग पर चांदी की कीमत करीब 6त्न यानी 13,606 रुपये गिरकर 2,13,166 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। वहीं सोना लगभग 5त्न या 7,115 रुपये टूटकर 1,37,377 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में में स्पॉट गोल्ड 3.3त्न गिरकर 4,343 डॉलर प्रति औंस पर आ गया, जबकि चांदी भी 3.4त्न टूटकर 65.61 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई। प्लैटिनम और पैलेडियम में भी गिरावट दर्ज की गई, जिससे साफ है कि पूरे कीमती धातु बाजार पर दबाव बना हुआ है। विशेषज्ञों के अनुसार, इस गिरावट की सबसे बड़ी वजह बढ़ती महंगाई और ब्याज दरों को लेकर बदलती उम्मीदें हैं।

रुपए में लौटी तेजी, डॉलर के मुकाबले मजबूत खुला

नई दिल्ली । डॉलर के मुकाबले रुपया मंगलवार को मजबूती के साथ खुला है। इसकी वजह मध्य पूर्व में तनाव कम होने के संकेत मिलना है।

मौजूदा समय में डॉलर के मुकाबले रुपया 93.64 पर है। वहीं, पिछले सत्र में डॉलर के मुकाबले रुपए ने 93.98 रिकॉर्ड लो बनाया था।

माना जा रहा है कि अमेरिकी राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से ईरान के एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्चर पर हमले को फिलहाल पांच दिनों के लिए टालने से मध्य पूर्व में तनाव पहले के मुकाबले कम हो गया है।

विश्लेषकों के कहा, बाजार ने पांच दिन के विराम का स्वागत तो किया है, लेकिन पूरी तरह आश्वस्त नहीं है और आगे तनाव कम होने के किसी भी संकेत से डॉलर के मुकाबले रुपया मजबूत हो सकता है।

सोमवार को मध्य पूर्व में तनाव बढ़ने के चलते डॉलर के मुकाबले रुपया 0.37 प्रतिशत कमजोर हो गया था।

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने बाजार के भावना को काफी कमजोर कर दिया है। भारत की कच्चे तेल की शुद्ध आयातक स्थिति के कारण आयात बिल में भारी वृद्धि हो रही है, जिससे रुपए में गिरावट को बढ़ावा मिल रहा है।

विश्लेषकों का कहना है कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतें मुद्रास्फीति को और बढ़ा सकती हैं, जिससे विकास अनुमानों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है और रुपए पर और दबाव बढ़ सकता है।

एलकेपी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट (कमोडिटी और करेंसी) जतिन त्रिवेदी ने कहा कि मैक्रो आउटलुक अभी भी नाजुक बना हुआ है और जब तक भू-राजनीतिक तनाव और ऊर्जा की कीमतें ऊंची बनी रहेंगी, मुद्रा की कमजोरी बनी रहने की संभावना है।

बाजार विश्लेषकों का कहना है कि निकट भविष्य में रुपया 93.25-94.25 के कमजोर दायरे में ही रहने की संभावना है, और जब तक तनाव कम होने का कोई मजबूत कारण नहीं मिलेगा, तब तक बाजार का रुख नकारात्मक बना रहेगा।

ट्रंप के इस बयान के बाद निवेशकों का मनोबल बढ़ा है, जिसमें उन्होंने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच पिछले दो दिनों में बहुत अच्छी और सार्थक बातचीत हुई है, और वाशिंगटन ने ईरान के पावर प्लांट्स और एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्चर पर किसी भी सैन्य हमले को पांच दिनों के लिए स्थगित कर दिया है।

हालांकि, ईरान के संसदीय अध्यक्ष मोहम्मद-बघर गालिबफ ने ट्रंप के बयान का खंडन करते हुए कहा कि अमेरिका के साथ कोई बातचीत नहीं हुई है।

ट्रंप के बयान से भारतीय शेयर बाजार झूमा, सेंसेक्स 1500 अंक चढ़ा; निफ्टी में भी 350 अंकों की तेजी

मुंबई ,,। मध्य पूर्व में तनाव कम होने से भारतीय शेयर बाजार की मंगलवार को शुरुआत तेजी के साथ हुई। सेंसेक्स 1,516.08 अंक या 2.09 प्रतिशत की तेजी के साथ 74,212.47 और निफ्टी 365.80 अंक या 1.62 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,878.45 पर खुला। बाजार में चौतरफा तेजी देखी जा रही है। शुरुआती कारोबार में करीब सभी सूचकांक हरे निशान में बने हुए थे, जिसमें निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी ऑटो, निफ्टी मेटल और निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स टॉप गेनर्स थे।

लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी तेजी के साथ कारोबार हो रहा था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 772 अंक या 1.47 प्रतिशत की तेजी के साथ 53,490 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 219 अंक या 1.45 प्रतिशत की बढ़त के साथ 15,318 पर था। चॉइस ब्रोकिंग में टेक्निकल रिसर्च एनालिस्ट आकाश शाह ने कहा कि निफ्टी अपने छोटे अवधि के सपोर्ट जोन से नीचे कारोबार कर रहा है और इसका रुझान कमजोर बना हुआ है। इसका रुकावट का स्तर 22,650-22,700 के आसपास है। दूसरी ओर, सपोर्ट 22,300-22,400 के आसपास देखा जा रहा है और इसके नीचे कमजोरी से निकट भविष्य में गिरावट और बढ़ सकती है।

सेंसेक्स पैक में एशियन पेंट्स, इंडिगो, इटरनल, ट्रेंट, टाइटन, बीईएल, अल्ट्राटेक सीमेंट, एलएंडटी, अदाणी पोर्ट्स, टेक महिंद्रा, कोटक महिंद्रा, एमएंडएम, एचडीएफसी बैंक, टाटा स्टील, बजाज फिनसर्व, मारुति सुजुकी, एसबीआई और एचयूएल गेनर्स थे। केवल पावर ग्रिड ही लाल निशान में कारोबार कर रहा था। एशियाई बाजारों में तेजी देखी जा रही है। टोक्यो, शंघाई, हांगकांग, बैंकॉक और सोल के हरे निशान में खुले थे। अमेरिकी बाजार भी सोमवार को तेजी के साथ बंद हुए थे, जिसमें मुख्य सूचकांक डाओ और टेक्नोलॉजी सूचकांक नैस्डैक में 1.38-1.38 प्रतिशत की तेजी थी।

बाजार में तेजी की वजह अमेरिकी की ओर से ईरान के पावर प्लांट्स पर हमले को पांच दिनों के लिए टालने को माना जा रहा है, जिससे वैश्विक बाजारों के साथ-साथ भारतीय बाजारों में भी तेजी देखने को मिली है।

इंश्योरेंस क्लेम रिजेक्ट या मिला खराब सामान? कंज्यूमर कोर्ट में शिकायत का ये है सही तरीका; भूलकर भी न करें ये गलतियां

नई दिल्ली ',। अगर आपका इंश्योरेंस क्लेम रिजेक्ट हो गया है, ऑनलाइन शॉपिंग में कोई खराब प्रोडक्ट मिल गया है या किसी सर्विस से आपको नुकसान हुआ है, तो इसका सीधा समाधान कंज्यूमर कमीशन है। कंज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट 2019 के तहत आप बेझिझक यहां कानूनी कार्रवाई कर सकते हैं। जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर बने ये आयोग रिफंड, प्रोडक्ट बदलने और मुआवजे का आदेश दे सकते हैं। हालांकि, इन आयोगों में आज भी लाखों शिकायतें पेंडिंग हैं, इसलिए अपना केस मजबूत बनाने और जल्द न्याय पाने के लिए शिकायत दर्ज करने का सही प्रोसेस और जरूरी डॉक्यूमेंट्स के बारे में सही जानकारी होना बेहद जरूरी है।

कागजों पर आदर्श सिस्टम, लेकिन लाखों केस पेंडिंग

'जागो ग्राहक जागो' कैंपेन के जरिए मशहूर हुआ भारत का तीन-स्तरीय कंज्यूमर विवाद निवारण सिस्टम पारंपरिक अदालतों का एक तेज और किफायती विकल्प माना जाता है। यहां कंज्यूमर बिना वकील के बहुत कम फीस में अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। लेकिन हकीकत के आंकड़े कुछ और ही कहानी कहते हैं। उपभोक्ता आयोगों में वर्तमान में 5.8 लाख से ज्यादा मामले पेंडिंग हैं। उपभोक्ता न्याय रिपोर्ट 2026 के अनुसार, राज्य आयोगों में 35 प्रतिशत मामले तीन साल से ज्यादा समय से लंबित हैं।

मुख्यमंत्री निवास में होगी बहनों की पंचायत : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

बहनों का आशीर्वाद हमें निरंतर प्राप्त हो रहा है : बहनों से संवाद का क्रम जारी रहेगा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बहनों का किया स्वागत

'बहनों की पाती-भैया के नाम' कार्यक्रम को बताया आत्मीय पहल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के जन्म दिवस पर पाती लेकर बहनें पहुंची मुख्यमंत्री निवास

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उनके जन्म दिवस 25 मार्च को प्रात: 'बहनों की पाती-भैया के नाम' लेकर मुख्यमंत्री निवास पहुंची बहनों का स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अभिव्यक्ति 'बहनों की पाती-भैया के नाम' एक आत्मीय पहल है। बहनों का आशीर्वाद हमें निरंतर प्राप्त होता रहा है। प्रदेश की बहनों ने अपने मन के भाव, अनुभव और सुझाव पाती के माध्यम से व्यक्त किए हैं। बहनों ने अपने भैया के प्रति विश्वास, स्नेह और सम्मान को शब्दों में पिरोया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार महिलाओं के स्वाभिमान और सशक्तिकरण के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री निवास में जल्द ही बहनों से संवाद के लिए विशेष पंचायत आयोजित की जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी देश में गरीब, युवा, नारी और किसान को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहे हैं। प्रदेश में बहनों के कल्याण का कार्य मिशन मोड में चल रहा है। राज्य सरकार ने नारी सशक्तिकरण के लिए एक लाख करोड़ रूपए से अधिक के बजट का प्रावधान किया है। महिलाओं की सुरक्षा के लिए सरकार ने जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है। अब हमारी बहनें कारखानों और उद्योगों में भी नेतृत्व कर रही हैं। राज्य सरकार महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास पहुंची बहनों से महिलाओं के लिए चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी को अधिक से अधिक प्रसारित करने में सहयोग का आहवान किया। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए आवश्यक है कि हर पात्र बहन आत्मनिर्भरता और उनके कल्याण के लिए चलाई जा रही शासकीय योजनाओं का लाभ लें।

रामनवमी व चैती दुर्गा पूजा पर्व को लेकर राधानगर थाना परिसर में हुई शांति समिति की बैठक

रामनवमी व चैती दुर्गा पूजा पर्व को लेकर राधानगर थाना परिसर में सोमवार को शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एसडीओ राजमहल सदानंद महतो व एसडीपीओ विमलेश कुमार त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से किया। शांति समिति की बैठक में जनप्रतिनिधि,बुद्धिजीवी तथा गणमान्य लोग उपस्थित रहें। इस दौरान एसडीओ सदानंद महतो ने लोगों से रामनवमी पर्व एवं चैती दुर्गा पूजा शांतिपूर्ण तरीके से मनाने की अपील किया। वहीं एसडीपीओ विमलेश कुमार त्रिपाठी ने रामनवमी पर्व तथा चैती दुर्गा पूजा में जुलूस रूट चार्ट की जानकारी ली तथा शांतिपूर्ण तरीके से त्यौहार मनाने की अपील किया। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर असामाजिक पोस्ट करने पर कार्रवाई की जाएगी। कहा कि विधि व्यवस्था बनाएं रखने को लेकर अधिक भीड़ लगने वाली जगहों में पुलिस प्रशासन की तैनाती रहेगी। क्षेत्र में पुलिस प्रशासन को ड्यूटी के दौरान सहयोग करने की अपील किया। वहीं बीडीओ सह सीओ जयंत कुमार तिवारी ने लोगों से शांतिपूर्ण तरीके से रामनवमी पर्व मनाने की अपील किया। मौके पर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज,एसआई पंकज दुबे,सदानंद प्रसाद, एएसआई कान्हु मुर्मू,सकल हेंब्रम।

उद्यमिता जागरूकता कार्यशाला का आयोजन, पर्यावरण संरक्षण का दिया गया संदेशा

मॉडल कॉलेज राजमहल साहिबगंज में सोमवार को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (रूस्रम्भ), धनबाद के सौजन्य से एक दिवसीय उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत विस्तृत कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य सह केंद्राधीक्षक डॉ. रणजीत कुमार सिंह ने की। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के भीतर उद्यमिता की भावना विकसित करना तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत से हुआ, जहाँ प्राचार्य डॉ. रणजीत कुमार सिंह द्वारा सभी अतिथियों का पारंपरिक तरीके से पेड़ (पौधा) भेंट कर स्वागत किया गया। इस अभिनव पहल के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता का सशक्त संदेश दिया गया। साथ ही अतिथियों एवं विद्यार्थियों द्वारा परिसर में पौधारोपण कर हरित परिसर, स्वच्छ परिसर की अवधारणा को आगे बढ़ाया गया। कार्यशाला के मुख्य वक्ता एमएसएमई ब्रांच कार्यालय, धनबाद के सहायक निदेशक दीपक कुमार ने सूक्ष्म, लघु एवं कुटीर उद्योगों की संरचना, महत्व तथा वर्तमान आर्थिक परिदृश्य में उनकी भूमिका पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला।

संक्षिप्त समाचार

मादक पदार्थ एमडीएमए तस्करी इन दिनों मकड़े की जाल की तरह राजमहल अनुमंडल क्षेत्र में तेजी से फैल रहा है

राधानगर एवं राजमहल थाना क्षेत्र में इन दिनों मादक पदार्थ एमडीएमए पाउडर का तस्करी मकड़ा की जाल की तरह शहर से लेकर गांव गांव तक जोर शोर से फैल रहा है। राधानगर 15 दिन में नशीली पदार्थ से जुड़े तीन तस्कर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। उनमें से राधानगर थाना कांड संख्या 89/23 के अप्राथमिकी आरोपित राजमहल थाना क्षेत्र अंतर्गत पूर्वी नारायणपुर के हसन टोला निवासी समसुल हक तथा राधानगर थाना कांड संख्या 443/25 के अप्राथमिकी आरोपित राजमहल थाना क्षेत्र अंतर्गत पूर्वी जामनगर पंचायत के उसमल्ली टोला निवासी अनारूल शेख शामिल है,अनारुल शेख थोक विक्रेता में एक है। उन्होंने पूछताछ के दौरान पुलिस को अवैध तस्करी में शामिल अन्य कई लोगों का नाम बताया है। पुलिस उनकी कुंडली खांगालने में जुटी है। पुलिस कि इस कर्रवाई से क्षेत्र में अवैध तस्करी पर विशेष प्रभाव नहीं पड़ा है। लोग कहते हैं अभी भी एक दर्जन तस्कर जेब में इलेक्ट्रॉनिक नापतोल मशीन व एमडीएमए पावडर लेकर राधानगर थाना क्षेत्र के कुत्ती मोड़,बरकात मोड़ अमानत नदी किनारे जुआ अड्डा, कुदरत आम बगीचा में राजमहल थाना क्षेत्र के फुलबड़ीय,मिछुटोला क्षेत्र में रात के अंधेरे में खरीदी बिक्री कर रहा है। इसकी गाढ़ी कमाई से तस्कर तो मालोमाल हो रहा हैं लेकिन प्रतिदिन सैकड़ो युवा इसके चपेट में आकर जेब खाली कर दिया है। बताया जाता है कि 5 ग्राम की कीमत 12 से 15 हजार रुपया लिया जाता हैं। तस्कर यहां के छोटे-छोटे विक्रेता को एजेंट के रूप में अलग-अलग क्षेत्र में तैयार कर दिया है। एक ग्राम का पन्नी में जेब में भरकर खुलेआम युवाओं को बेचा जा रहा हैं। स्थानीय पुलिस व अन्य एजेंसियों के स्तर पर अभियान चला कर अगर ठोस कार्रवाई नहीं की गई तो सैकड़ों युवा इसके चपेट में आ कर लाख रुपया बर्बाद कर सकता है। विशेष कर थाना क्षेत्र के दियारा स्थित पियारपुर,अमानत, बालूग्राम, प्राणपुर बापछाड़ा के शांति मोर फुलबड़ीया नशेड़ियों का बड़ा अड्डा बन चुका है। रात करीब 8:00 बजें से 12 बजे तख चिन्हित इलाकों में खरीदी बिक्री कर सेवन कर रहा है। स्थानीय कुछ बुजुर्गों ने बताया कि इसमें ज्यादातर 15 से 45 साल के उम्र का युवा शामिल हैं।

स्मृतिशेष चंद्रशेखर शुक्ल 'बेबी भइया' की प्रथम पुण्यतिथि पर उमड़ा जनसैलाब

सुल्तानपुर । समाजसेवा के क्षेत्र में अपनी अमिट छाप छोड़ने वाले, लोकाधिकार सेवा समिति के संस्थापक एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, सुविख्यात समाजसेवी स्मृतिशेष चंद्रशेखर शुक्ल 'बेबी भइया' की प्रथम पुण्यतिथि पर उनके पैतृक गांव रेवारी, बेलहरी (जनपद सुल्तानपुर) में सोमवार, 23 मार्च 2026 को भव्य श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन उनके ज्येष्ठ पुत्र एवं लोकाधिकार सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल 'रिंकू भइया', छोटे पुत्र प्रशांत चंद्रशेखर शुक्ल एवं ब्लॉक प्रमुख जयसिंहपुर राहुल चंद्रशेखर शुक्ल के संयोजन में हुआ। इस अवसर पर प्रदेश एवं जिले के अनेक गणमान्य व्यक्ति, जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं समाजसेवी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में पूर्व राज्यपाल के विधिक सलाहकार एस.एस. उपाध्याय, भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी, विधायक राजप्रसाद उपाध्याय, राजेश गौतम, रमेश चंद्र मिश्रा सहित कई वरिष्ठ नेता, अधिकारी एवं बुद्धिजीवी शामिल रहे। सभा में उपस्थित वक्ताओं ने बेबी भइया के व्यक्तित्व और कृतित्व को याद करते हुए कहा कि उन्होंने समाजसेवा को अपना जीवन समर्पित कर दिया।

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने 5वीं और 8वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम घोषित किया।

कई गाथाओ को समेटे बाबा फर्म के कागजो की जाँच मे मिली गड़बड़ी तो ईओ ने किया टेंडर निरस्त

सुल्तानपुर। नगर पालिका द्वारा आगामी सत्र 2026-27 के लिए निकाला गया टेंपो टैक्सी ई रिक्शा पार्किंग लोडिंग अन लोडिंग व ठहराव शुल्क का टेंडर टेक्निकल बिड की जाँच के बाद तीन फर्मो के कागजात मे कमिया पाए जाने के बाद अधिशाषी अधिकारी लाल चंद्र सरोज द्वारा सोमवार को निरस्त कर दिया गया । सोमवार को दोपहर बाद टेक्निकल बिड खुलने पर जाँच अधिकारियों ने टेंडर पत्रवालियो की जाँच मे खामिया पाई थी जिम्मेदार अफ्सरों द्वारा इसे अब नये सिरे से निकाल कर निविदा प्रक्रिया पूर्ण कराये जाने के निर्देश जारी किये गए। नगर पालिका से जुड़े सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आगामी सत्र के लिए टेंपो टैक्सी पार्किंग शुल्क ई रिक्शा लोडिंग अनलोडिंग ठहराव शुल्क का नगर पालिका द्वारा टेंडर निकाला गया था सोमवार को चार फर्म ने टेंडर प्रक्रिया मे भाग लिया। दोपहर बाद नगर पालिका के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा टेक्निकल बिड खोली गई टेक्निकल बिड खुलने के बाद फर्म के ठेकेदारों की मौजूदगी में टेक्निकल विड में प्रस्तुत किए गए कागजात की जांच की गई शुक्ला इलेक्ट्रिकल्स एंड कंस्ट्रक्शन द्वारा जताई गई आपत्ति के बाद जांच में नगर पालिका के राजश्व निरीक्षक प्रवीण सिंह कर निरीक्षक अनूप भारती व इंजीनियर हनुमान सिंह ने बारीकी से सभी फर्मो के कागजात की जांच की। जांच में पाया गया कि सैनिक इंटरप्राइजेज फर्म में नगर पालिका की सीमा के अंतर्गत मांगी गई 25 लाख की गारंटी के उलट ग्रामीण क्षेत्र की लगभग 15 लाख की गारंटी लगाई गई है।

12 फरार आरोपियों पर 25-25 हजार का इनाम घोषित

सुल्तानपुर । जिले के अखंडनगर थाना क्षेत्र में दर्ज एक मुकदमें से जुड़े 12 फरार आरोपियों पर पुलिस अधीक्षक चारु निगम ने 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। सभी आरोपी काफी समय से फरार चल रहे हैं और गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपने ठिकाने बदल रहे हैं। वहीं पुलिस के मुताबिक संबंधित मुकदमें में नामजद सभी आरोपी वांछित हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी ने प्रत्येक आरोपी पर इनाम घोषित किया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमों द्वारा लगातार छापेमारी की जा रही है। साथ ही जनपद स्तर पर विशेष अभियान भी चलाया जा रहा है।

मेडिकल कॉलेज की लापरवाही

सुलतानपुर मार्च । जनपद के मेडिकल कॉलेज में इलाज व्यवस्था पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। कूरेभार थाना क्षेत्र के राघवपुर गांव से आए एक गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को डॉक्टरों ने उपचार देने के बजाय रेफर कर दिया। हैरानी की बात यह रही कि बेसुध हालत में स्ट्रेचर पर पड़े घायल पिता की जिम्मेदारी उसकी नाबालिग बेटी के कंधों पर डाल दी गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार संपत्ति विवाद को लेकर पट्टीदारों ने व्यक्ति पर जानलेवा हमला कर दिया, जिससे उसके सिर पर गंभीर चोटें आईं। किसी तरह उसकी बेटी उसे लेकर जिला मेडिकल कॉलेज पहुंची और भर्ती कराया। घायल के हाथ में विगो लगी थी और वह अचेत अवस्था में था।

समरथपुर में फायर स्टेशन का सपना अधूरा, 8 साल से नहीं शुरू हुआ निर्माण

सुलतानपुर मार्च । बल्दीराय तहसील क्षेत्र के समरथपुर में प्रस्तावित अग्निशमन विभाग का फायर स्टेशन पिछले आठ वर्षों से निर्माण के इंतजार में है। भूमि आवंटन के बावजूद अब तक भवन निर्माण शुरू न होने से यह योजना कागजों तक सीमित रह गई है, जिससे क्षेत्रीय लोगों में गहरी नाराजगी व्याप्त है। वर्तमान में फायर ब्रिगेड की सेवाएं बलीपुर में एक निजी स्थान से अस्थायी रूप से संचालित की जा रही हैं। ऐसे में किसी भी आपात स्थिति में समय पर राहत पहुंचाना चुनौती बना हुआ है, जिससे जन-धन के नुकसान की आशंका बनी रहती है। ग्राम प्रधान राजेश तिवारी के अनुसार, फायर स्टेशन के लिए भूमि का आवंटन वर्षों पहले हो चुका है, लेकिन संबंधित विभाग की लापरवाही के चलते निर्माण कार्य अब तक शुरू नहीं हो सका। उन्होंने प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग की है। किसान करुणानन्द मिश्र ने कहा कि फायर स्टेशन का निर्माण न होने से क्षेत्र के लोग हर समय खतरे के साये में जी रहे हैं। आगजनी की घटनाओं में समय पर सहायता न मिलने से किसानों की फसल और संपत्ति को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। वहीं भानू पाठक ने भी नाराजगी जताते हुए कहा कि वर्षों से सिर्फआश्वासन ही मिल रहा है, ।

नई टीम के जरिए आगामी विधानसभा चुनाव जीतने पर लग सकता है ग्रहण ?

बाराबंकी । लंबी कवायदों के बाद भाजपा की जिला कार्यकारिणी पर मुहर लग गई। संगठन विस्तार पर शीर्ष नेतृत्व की मुहर लगते ही भारतीय जनता पार्टी की घोषित जिला कार्यकारिणी को लेकर पार्टी के अंदर असंतोष के स्वर उभरने लगे हैं। खासतौर पर पार्टी संगठन के कुछ पुराने कद्दावर नेताओं को अपेक्षाकृत कम प्रतिनिधित्व मिलने से नाराजगी सामने आई है, जिसके चलते संगठन में गुटबाजी के भी संकेत मिल रहे हैं। पार्टी के कई कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं का मानना है कि इस बार कार्यकारिणी गठन में सामाजिक संतुलन पूरी तरह नहीं साधा गया है। इससे कुछ वर्गों में उपेक्षा की भावना पनप रही है। इसी असंतोष को दूर करने के लिए पार्टी के शीर्ष नेताओं ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं वरिष्ठ पदाधिकारियों को रूठों को मनाने के निर्देश दिए हैं ताकि आने वाले चुनाव पर इसका विपरीत असर न पड़े। विदित हो कि बीते 22 मार्च को भारतीय जनता पार्टी की जिला इकाई की नई कार्यकारिणी की घोषणा कर दी गई है। प्रदेश अध्यक्ष की संस्तुति के बाद जारी सूची में संगठन के विभिन्न पदों पर कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई है। नई टीम के गठन से एक ओर जहां संगठन को जमीनी स्तर पर और मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। वहीं दूसरी ओर संगठन के कुछ पूर्व पदाधिकारियों व वरिष्ठ नेताओं को नई कार्यकारिणी में अपेक्षाकृत कम प्रतिनिधित्व दिया गया है। जिसके बाद कुछ ने तो पद से इस्तीफा तक देने की पेशकश कर दी है। वहीं कुछ बंद जुबान में एक वर्ग विशेष को अहम जिम्मेदारी देने की बात करके अपना विरोध जता रहे है। बहरहाल, भाजपा जिलाध्यक्ष राम सिंह वर्मा की नई टीम में आठ जिला उपाध्यक्ष, तीन जिला महामंत्री, आठ जिला मंत्री के अलावा अन्य पदों की कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई। खास बात यह रही कि महिलाओं और युवा कार्यकर्ताओं पर प्रदेश संगठन ने भरोसा जताया। सोशल मीडिया पर भाजपा की नई टीम की चर्चा और विरोध जोरों पर है। भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष रोहित सिंह ने सबसे ज्यादा नई टीम को विरोध किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा, भारतीय जनता पार्टी जनपद बाराबंकी की नई कार्यकारिणी पदाधिकारियो की सूची जारी हुई है जिसमें मुझे जिला संयोजक सोशल मीडिया बनाया गया है। मैं इतने बड़े पद को संभालने में असमर्थ हूं मैं इस पद से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा देता हूं। मेरे बाबा स्वव केदार बक्श सिंह जी ने हमेशा यही बताते रहते थे सम्मान से बढ़कर कुछ नहीं है। मै इतने बड़े संगठन का कार्यकर्ता हूं यही मेरे लिए गर्व की बात है मैंने हमेशा कार्यकर्ता बनकर ही काम किया है और आगे भी कार्यकर्ता के रूप में काम करूंगा।

एक दिवसीय ब्लाक स्तरीय संगोष्ठी एव उनमुखीकरण कार्यक्रम सम्पन्न

स्थानीय कस्बा स्थित बिडला विद्या मन्दिर इंटर कालेज परिसर मे मांगवार को ग्राम प्रधान स्थानीय प्राधिकारी निकाय के सदस्यों एव प्रधानाध्यापको का उनमुखीकरण कार्यक्रम सफ्लता पूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में आये विशिष्ठ अतिथि एव मुख्य अतिथियों का माल्यार्पण कर अंग वस्त्र भेट करस्वागत किया गया।उक्त कार्यक्रम में शिक्षा विभाग द्वारा बच्चों के पठन पाठन सम्बन्धित अभिभवकों को विस्तृत जानकारी दी गयी। विशिष्ठ अतिथि दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री जीत सिंह खरवार ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा बच्चों के खाते मे 1200 रूपये सीधा जा रहा हैं। इस पैसे से अभिभावक स्कूल ड्रेस, बैग जूता खरीद रहे हैं।

ग्राम प्रधान कि देख रेख मे विकास खण्ड के सभी स्कूलों मे मिड दे मिल समय से मिल रहा हैं। ब्लाक प्रमुख मान सिंह गोड़ ने कहा कि समाज कल्याण विभाग कि ओर से 60: अंक प्राप्त करने पर साईकिल उपलब्ध कराई जा रही हैं अनु. जाती जन.जाती के बच्चों को साईकिल मिलने से अब उन्हें पैदल नहीं स्कूल जाना पढ रहा हैं।

वैश्विक ऊर्जा संकट के बीच एनसीएल का राष्ट्र की ऊर्जा संरक्षा में अहम योगदान

सोनभद्र । वर्तमान समय में वैश्विक स्तर पर उत्पन्न युद्धजनित परिस्थितियों के कारण ऊर्जा संकट गहराता जा रहा है। ऐसे कठिन ऊर्जा परिदृश्य में विश्व की सबसे बड़ी कोयला उत्पादक कोल इंडिया की सिंगरौली स्थित प्रमुख अनुषंगी कंपनी, नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड ने कोयला मंत्रालय, भारत सरकार के मार्गदर्शन में राष्ट्र की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

एनसीएल ने रविवार को दूरस्थ ताप विद्युत इकाइयों को रिकॉर्ड 57 रेलवे रैक कोयला प्रेषित कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इस दौरान एनसीएल द्वारा 4.14 लाख टन कोयला का प्रेषण किया गया, जिसमें रिकॉर्ड 2.2 लाख टन भारतीय रेल के माध्यम से भेजा गया तथा बाकी मात्रा एमजीआर सिस्टम, सड़क मार्ग एवं पाइप बेल्ट द्वारा प्रेषित की गई। जहां दूरस्थ ताप विद्युत इकाइयों के लिए रेलवे के माध्यम से रिकॉर्ड स्तर पर रैक्स भेजे गए, वहीं पिट हेड पावर प्लांट्स को एमजीआर के जरिए पर्याप्त मात्रा में कोयला आपूर्ति सुनिश्चित की गई।वर्तमान परिदृश्य में घरेलू उत्पादित कोयला एक भरोसेमंद ऊर्जा स्त्रोत की भूमिका निभा रहा है। एनसीएल का पिट हेड स्टॉक 8.3 मिलियन टन है, वहीं माइंस के अंदर कोयला एक्सपोजर 10.5 मिलियन टन है। सारांश में ताप विद्युत इकाइयों एवं अन्य उद्योगों की मांग को पूर्ण करने हेतु कंपनी पूरी तरह से तैयार है। कोयला है तो भरोसा है के ध्येय वाक्य के साथ एनसीएल तथा समूचा कोल इंडिया परिवार इस चुनौतीपूर्ण समय में राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित है।राज्यवार कोयला आपूर्ति की बात करें तो रविवार को एनसीएल ने मध्य प्रदेश को 13 रैक्स, उत्तर प्रदेश को 25 रैक्स, राजस्थान को 11 रैक्स, पंजाब को 4 रैक्स, हरियाणा को 2 रैक्स, गुजरात को 1 रैक तथा बिहार को 1 रैक कोयला भेजा।

आरसीबी के 16000+ करोड़ में बिकने पर इस क्रिकेटर ने ली चुटकी

पूर्व स्पिनर लक्ष्मण शिवरामाकृष्णन का खुलासा चौंका देने वाला है। उन्होंने जो खुलासे किए हैं, इससे तूफान मच सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें मैदान पर क्रिकेटर्स और फैंस ने कई गलत नामों से पुकारा। इसकी वजह से उन्हें कई बार परेशानियों का भी सामना करना पड़ा।

आईपीएल की दो टीमों को नया मालिक मिल गया और साथ ही रिकॉर्ड्स भी बन गए हैं। राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीमों की 100 प्रतिशत हिस्सेदारी दो अलग-अलग कंसोर्टियम ने मंगलवार को हासिल की। अमेरिकी मूल के बिजनेसमैन काल सोमानी के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम ने राजस्थान रॉयल्स की 100 प्रतिशत हिस्सेदारी 1.63 अरब डॉलर (करीब 15,290 करोड़ रुपये) में खरीद ली। वहीं, यूनाइटेड स्पिरिट्स लिमिटेड (यूएसएल) की जगह आरसीबी का स्वामित्व अब आदित्य बिड़ला ग्रुप के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम के हाथ आ गया है। आरसीबी को यूएसएल से आदित्य बिड़ला ग्रुप के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम ने 1.78 बिलियन यूएस डॉलर (भारतीय रुपये में करीब 16,706 करोड़) में खरीदा है। आरसीबी की डील के बाद नीदरलैंड के तेज गेंदबाज पॉल वान मीकेरन का एक ट्वीट चर्चा में आ गया है। उन्होंने इस डील पर चुटकी लेते हुए कहा कि इस राशि का 0.5 प्रतिशत भी नीदरलैंड क्रिकेट को मिल गया तो हम क्रिकेट की नई ताकत बन सकते हैं।

दरअसल, हाल ही में भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में हुए टी20 विश्वकप में आईसीसी के सदस्य देशों का प्रदर्शन शानदार रहा था। पहली बार टी20 विश्वकप 20 टीमों के साथ खेला गया और कई सदस्य देशों ने अपने प्रदर्शन से तारीफें जीतीं। इसके बाद कई सदस्य देशों के खिलाड़ियों ने आईसीसी के पूर्ण सदस्य देशों के साथ ज्यादा से ज्यादा मैचों की मांग की थी। ओमान के कप्तान जतिंदर सिंह से लेकर नीदरलैंड के कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स तक ने आईसीसी से मांग की थी कि उन्हें नियमित क्रिकेट सीरीज मिले ताकि वे आईसीसी टूर्नामेंट्स में ज्यादा से ज्यादा हिस्सा ले सकें। इस पर आईसीसी ने स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं दी थी, लेकिन कहा था कि कागज पर कमजोर दिखने वाली टीमों ने टूर्नामेंट को रोमांचक बना दिया। आईसीसी ने उनका आभार भी जताया था।

अब मीकेरन के बयान ने इस मुद्दे को फिर उठा दिया है।

भारत के पूर्व क्रिकेटर का बड़ा आरोप, बोले- भारतीय खिलाड़ी ही मुझ पर करते थे नस्लीय टिप्पणी

पूर्व स्पिनर लक्ष्मण शिवरामाकृष्णन का खुलासा चौंका देने वाला है। उन्होंने जो खुलासे किए हैं, इससे तूफान मच सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें मैदान पर क्रिकेटर्स और फैंस ने कई गलत नामों से पुकारा। इसकी वजह से उन्हें कई बार परेशानियों का भी सामना करना पड़ा। कभी भारतीय क्रिकेट के सबसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों में से एक माने जाने वाले लक्ष्मण शिवरामाकृष्णन का अंतरराष्ट्रीय करियर भले ही लंबा न रहा हो, लेकिन उन्होंने खेल के मैदान पर अपनी फिरकी से सलीम मलिक और इमरान खान समेत कई दिग्गजों को परेशान किया। हालांकि, उनकी प्रतिभा और शुरुआती शानदार प्रदर्शन के बावजूद, वह आगे चलकर उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके। अब उन्होंने खुलासा किया है कि इसका कारण केवल उनकी प्रतिभा या खेल में सुधार की कमी ही नहीं थी, बल्कि उनके साथ ही नस्लीय टिप्पणी भी थी। हाल ही में एक इंडियन एक्सप्रेस के साथ एक इंटरव्यू में, शिवरामाकृष्णन ने अन्य कारणों के बारे में खुलकर बात की। उनका कहना है कि अन्य कारणों ने भी उन पर एक गहरा मानसिक घाव छोड़ा है, जिसे मिटाना उनके लिए मुश्किल रहा है। शिवरामाकृष्णन ने कहा कि नस्लवाद की घटनाओं से उन्हें बार-बार गुजरना पड़ा। बचपन का पहला कड़वा अनुभव

'द इंडियन एक्सप्रेस' को दिए इंटरव्यू के मुताबिक, शिवरामाकृष्णन के जीवन के साथ पहली नस्लीय घटना तब हुई, जब वह केवल 14 वर्ष के थे। वह चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में भारतीय टीम के लिए नेट गेंदबाज के तौर पर शामिल हुए थे। अपनी जर्सी में ही वह स्टेडियम के एक छोटे से कमरे में कपड़े बदलने के लिए दौड़े, तभी एक वरिष्ठ भारतीय बल्लेबाज ने उन्हें पुकारा। शिवरामाकृष्णन ने बताया कि उस वरिष्ठ भारतीय खिलाड़ी ने उनसे उनके जूते साफ करने को कहा।

आईपीएल 2026 में नहीं खेलेंगे यश दयाल, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने की पुष्टि

नईदिल्ली,25 मार्च। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के तेज गेंदबाज यश दयाल हिस्सा नहीं लेंगे। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के क्रिकेट डायरेक्टर मो बोबाट ने क्रिकबज से इस बात की पुष्टि की है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि दयाल अभी भी टीम के कॉन्ट्रैक्ट का हिस्सा हैं और फिलहाल उनकी जगह पर किसी और खिलाड़ी को टीम में नहीं जोड़ा जाएगा। आइए इस खबर पर एक नजर डालते हैं।

बोबाट ने बेंगलुरु में हुई एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा यश टीम में शामिल नहीं होंगे। जैसा कि आप जानते हैं, वह एक निजी मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। और यह साफ करने के लिए कि हम अब तक यश का पूरा साथ देते आए हैं। यह इस बात से जाहिर होता है कि जब हमारे पास खिलाड़ियों को रिटेन करने या रिलीज करने का मौका था, तब हमने उन्हें रिटेन किया था।

दयाल ने आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से खेलते हुए 15 मैचों में 36.15 की औसत के साथ 13 विकेट लिए थे। दयाल ने अपने आईपीएल करियर में 43 मैच खेले हैं, जिसमें 33.90 की औसत और 9.57 की इकॉनमी रेट से 41 विकेट लिए हैं।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने जेद्दा में आईपीएल 2026 में हुई छोटी नीलामी से पहले दयाल को 5 करोड़ रुपये में रिटेन किया था, जिस पर उन्हें काफी आलोचना झेलनी पड़ी थी। बता दें कि उनके खिलाफ यौन शोषण के गंभीर आरोप लगे थे। तब से दयाल को प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से बाहर रखा गया है। इसके साथ-साथ उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन ने उन्हें पूरे घरेलू सीजन के लिए टीम में नहीं चुना था।

दयाल पर 2 अलग-अलग मामलों में यौन उत्पीड़न के गंभीर आरोप दर्ज हैं। गाजियाबाद की एक महिला ने आरोप लगाया था कि दयाल ने शादी का झांसा देकर 5 साल तक उसका शारीरिक और भावनात्मक शोषण किया। उसकी शिकायत के बाद दयाल पर बलात्कार का आरोप लगाया गया था। इसके अलावा क्रिकेटर पर जयपुर में एक नाबालिग लड़की के साथ कथित तौर पर बलात्कार करने का भी आरोप दर्ज है।

बल्लेबाज: रजत पाटीदार, टिम डेविड, विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल और विहान मल्होत्रा। विकेटकीपर: फिल सॉल्ट, जितेश शर्मा और जॉर्डन कॉक्स। ऑलराउंडर: जैकब बेथेल, क्रुणाल पांड्या, वेंकटेश अय्यर, रोमारियो शेफर्ड, स्वप्निल सिंह, मंगेश यादव, कनिष्क चौहान और सात्विक देशवाल। गेंदबाज: अभिनदंन सिंह, जोश हेजलवुड, रसिक सलाम, भुवनेश्वर कुमार, सूयश शर्मा, नुवान तुषार, जैकब डफी और विकी ओस्तवाल।

लुरु से खेलते हुए 15 मैचों में 36.15 की औसत के साथ 13 विकेट लिए थे। दयाल ने अपने आईपीएल करियर में 43 मैच खेले हैं, जिसमें 33.90 की औसत और 9.57 की इकॉनमी रेट से 41 विकेट लिए हैं।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने जेद्दा में आईपीएल 2026 में हुई छोटी नीलामी से पहले दयाल को 5 करोड़ रुपये में रिटेन किया था, जिस पर उन्हें काफी आलोचना झेलनी पड़ी थी।

नौ साल बाद लिवरपूल का साथ छोड़ेंगे फुटबॉलर सालाह, क्या मैनेजर स्लॉट से विवाद के बाद लिया फैसला?

सालाह के भविष्य को लेकर अब अटकलों का बाजार गर्म है। कई बड़े यूरोपीय क्लबों के उनसे संपर्क साधने की खबरें आ रही हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि वह किस क्लब के साथ जाते हैं और क्या वह अपनी पुरानी लय को फिर से हासिल कर पाते हैं। लिवरपूल के लिए, यह एक युग का अंत है और उन्हें अब इस बड़े नुकसान की भरपाई के लिए एक नई रणनीति बनानी होगी। मिस्र के दिग्गज फुटबॉलर मोहम्मद सालाह ने लिवरपूल फुटबॉल क्लब को छोड़ने की घोषणा कर दी है। इस सीजन के अंत के साथ ही उनका लिवरपूल के साथ कॉन्ट्रैक्ट समाप्त हो जाएगा। उनके कॉन्ट्रैक्ट को रीन्यू नहीं किया जाएगा। इसकी घोषणा उनके साथ ही क्लब ने भी कर दी है। हालांकि, सवाल यह उठ रहे हैं कि सालाह लिवरपूल के अहम स्ट्राइकर माने जाते हैं। इसके बाद ऐसी क्या बात हो गई कि सालाह को उस टीम का साथ छोड़ना पड़ रहा है, जिसको लेकर उन्होंने कभी कहा था कि वह यहीं से रिटायरमेंट तक खेलना चाहते हैं। सालाह ने क्या कहा? मोहम्मद सालाह ने सोशल मीडिया के जरिए यह जानकारी दी। अपने भावुक वीडियो मैसेज में उन्होंने कहा कि वह

चाहते थे कि उनके समर्थक यह खबर सीधे उनसे सुनें। उन्होंने इसे अपने फेयरवेल का पहला हिस्सा बताया, जो दर्शाता है कि आने वाले समय में और भी विदाई संदेश सामने आ सकते हैं। सालाह के साथ क्या विवाद? दरअसल, सालाह और लिवरपूल के बीच विवाद की शुरुआत दिसंबर 2025 से हुई। सालाह ने सीधे तौर पर मैनेजर आर्ने स्लॉट पर गंभीर आरोप लगाए। सालाह ने दावा किया कि क्लब ने उन्हें प्लेइंग-11 में मौका न देकर ऐसे अपमानित किया मानो कि बस के नीचे फेंक दिया है। यह बयान तब आया जब सलाह को लगातार तीन मैचों में बेंच पर बैठाया गया था। उन्होंने अपने योगदान को कमतर आंके जाने की बात कही, जिससे टीम के भीतर और सार्वजनिक रूप से एक तनावपूर्ण माहौल बन गया। इससे टीम के मनोबल पर भी असर पड़ा। इस बयान के लगभग तीन महीने बाद सालाह ने टीम छोड़ने का एलान कर दिया।2017 में लिवरपूल से जुड़े थे सालाह 33 साल के सालाह 2017 में एसएस रोमा से लगभग 50 मिलियन डॉलर में लिवरपूल आए थे। उन्होंने 435 मैचों में 255 गोल किए, जिससे वह क्लब के ऑल-टाइम टॉप स्कोरर्स में तीसरे स्थान पर पहुंच गए। सालाह ने अपना नाम क्लब के महान खिलाड़ियों में दर्ज करा लिया है। लिवरपूल में अपने नौ साल के करियर के दौरान, सालाह ने टीम को कई ऐतिहासिक सफलताएं दिलाईं। क्लब की प्रीमियर लीग, यूईएफए चैंपियंस लीग, एफए कप, लीग कप, क्लब वर्ल्ड कप और यूईएफए सुपर कप जैसी बड़ी खिताबी जीत में सालाह का अहम योगदान रहा। चार बार गोल्डन बूट जीता व्यक्तिगत उपलब्धियों की बात करें तो सालाह ने चार बार प्रीमियर लीग गोल्डन बूट जीता, जिससे उन्होंने थियरी हेनरी के रिकॉर्ड की बराबरी की। 2017-18 का उनका पहला सीजन, जिसमें उन्होंने 44 गोल किए, आज भी प्रीमियर लीग इतिहास के सबसे शानदार व्यक्तिगत प्रदर्शनों में गिना जाता है। अपने विदाई संदेश में सालाह ने क्लब, शहर और फैंस के प्रति गहरी भावनाएं व्यक्त कीं।

कब, कहां और क्यों खास होगा वनडे विश्वकप? भारत की तैयारियों से रोहित-कोहली फैक्टर तक पूरी कहानी

2027 का वनडे विश्व कप अक्तूबर-नवंबर में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जा सकता है, जिसमें 14 टीमें हिस्सा लेंगी। बीसीसीआई ज्यादा वनडे मैचों की तैयारी कर रहा है, जहां शुभमन गिल की कप्तानी में रोहित शर्मा और विराट कोहली खेलते दिखेंगे। वनडे क्रिकेट का सबसे बड़ा टूर्नामेंट आईसीसी वनडे विश्व कप 2027 अब धीरे-धीरे सुर्खियों में आ रहा है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक यह टूर्नामेंट अक्तूबर-नवंबर 2027 में खेला जा सकता है। इस बार मेजबानी की जिम्मेदारी दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया के पास होगी। खास बात यह है कि इस एडिशन में 14 टीमें हिस्सा लेंगी और कुल 54 मैच खेले जाएंगे। लेकिन यह विश्व कप सिर्फ एक टूर्नामेंट नहीं, बल्कि कई कहानियों, रणनीतियों और बदलावों का संगम बनने वाला है, खासकर टीम इंडिया के लिए।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) अगले साल होने वाले विश्व कप से पहले टीम को ज्यादा से ज्यादा मैच प्रैक्टिस देने के मूड में है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, आयरलैंड और श्रीलंका जैसे बोर्ड ने भारत से मौजूदा द्विपक्षीय सीरीज में वनडे मैचों की संख्या बढ़ाने का अनुरोध किया है। इससे भारत को अच्छी तैयारी का मौका मिलेगा जिसमें रोहित शर्मा और विराट कोहली आकर्षण का मुख्य केंद्र होंगे। दोनों दिग्गज अब सिर्फ वनडे प्रारूप में खेलते हैं।

2026 में टीम इंडिया का कार्यक्रम काफी व्यस्त रहने वाला है। आईपीएल के बाद अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज खेली जाएगी। फिर इंग्लैंड दौरा होगा, जहां वनडे मैचों की संख्या बढ़ने की संभावना है। आयरलैंड और श्रीलंका के खिलाफ भी मुकाबले बढ़ सकते हैं।

आदित्य बिड़ला ग्रुप और टाइम्स ग्रुप समेत 4 बड़ी कंपनियों ने मिलकर खरीदी फ्रेंचाइजी

नईदिल्ली,25 मार्च। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) इतिहास की सबसे चर्चित टीमों में शुमार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को आदित्य बिड़ला ग्रुप, द टाइम्स ऑफ इंडिया ग्रुप, बोल्ट वेंचर्स, और ब्लैकस्टोन की परपेचुअल प्राइवेट इक्विटी स्ट्रैटेजी ने मिलकर खरीदा है। क्रिकबज के मुताबिक, इस समूह ने 1.78 अरब अमेरिकी डॉलर (लगभग 16,706 करोड़ रुपये) में टीम की पूरी हिस्सेदारी खरीदी है। हालांकि, अभी बीसीसीआई से आधिकारिक मंजूरी मिलना बाकी है। बिड़ला ग्रुप के आर्यमन विक्रम बिड़ला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के नए चेयरमैन बनेंगे। वहीं, टाइम्स ऑफ इंडिया ग्रुप के सत्यन गजवानी वाइस चेयरमैन की भूमिका निभाएंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस समूह ने यूके-डियाजियो पीएलसी की सहायक कंपनी, यूनाइटेड स्पिरिट्स लिमिटेड के साथ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की 100 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के लिए एक पक्का समझौता किया है। इस खरीद में आईपीएल और डब्ल्यूपीएल दोनों की पुरुष और महिला टीमें शामिल हैं। आदित्य बिड़ला समूह के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने अपनी खुशी व्यक्त की।

मुंबई में हुई बीसीसीआई और आईपीएल टीमों के कप्तानों की बैठक, किन मुद्दों पर हुई चर्चा? जानिए सबकुछ

आईपीएल 2026 का सीजन शुरू होने जा रहा है और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इसकी तैयारियां पूरी कर ली है। बीसीसीआई ने बुधवार को सभी 10 कप्तानों के साथ बैठक की। इस दौरान इम्पैक्ट सब्स्टीट्यूट नियम और आचार संहिता जैसे विषयों पर चर्चा की गई। इंपैक्ट प्लेयर नियम पर क्या चर्चा हुई? आईपीएल के अधिकतर कप्तानों ने बुधवार को इंपैक्ट प्लेयर नियम पर अपनी आपत्ति दर्ज की जिसको लेकर 2023 में इसके लागू होने के बाद से ही लोगों की अलग-अलग राय है। बीसीसीआई ने 2024 में इंपैक्ट प्लेयर नियम को 2027 तक बढ़ा दिया था। इसके बावजूद इस रणनीतिक नियम पर प्रशंसकों और खिलाड़ियों के बीच समान रूप से बहस जारी है। मुंबई में हुई सभी 10 आईपीएल टीमों के कप्तानों की बैठक में इस पर विस्तार से चर्चा की गई। आईपीएल के एक सूत्र ने समाचार

एजेंसी पीटीआई को बताया, 'अधिकांश कप्तानों ने इम्पैक्ट प्लेयर नियम पर अपने विचार रखे और अपनी आपत्तियां व्यक्त कीं, हालांकि बीसीसीआई ने इस नियम को 2027 तक बढ़ा दिया है। उन्हें बताया गया कि इसकी समीक्षा केवल आईपीएल 2027 के बाद ही की जा सकती है, उससे पहले नहीं।'ह बीसीसीआई ने पिछले सत्र में ओस से निपटने के लिए दूसरी पारी के 10वें ओवर के बाद टीमों को एक गेंद बदलने की अनुमति दी थी। बुधवार को एक कप्तान ने प्रस्ताव रखा कि टीमों को पहली पारी के 10वें ओवर के बाद गेंद बदलने की अनुमति दी जानी चाहिए। सत्र ने बताया, 'पहली पारी के 10 ओवरों के बाद गेंद बदलने का प्रस्ताव रखा गया था, लेकिन इसे ज्यादा समर्थन नहीं मिला। दूसरी पारी में आमतौर पर ओस ज्यादा पड़ती है, इसलिए मौजूदा नियम लागू रहेगा।' अभ्यास के लिए क्या दिए बीसीसीआई ने निर्देश? आईपीएल के कप्तानों की इस बैठक में सभी कप्तान भारतीय थे क्योंकि सनराइजर्स हैदराबाद के नियमित कप्तान पैट कमिंस की अनुपस्थिति में ईशान किशन उसकी कप्तानी कर रहे हैं। कप्तानों ने इस बैठक में आईपीएल के अधिकारियों से अभ्यास को लेकर दिशानिर्देशों के बारे में जानकारी भी हासिल की। फ्रेंचाइजी के साथ साझा किए गए दिशानिर्देशों के अनुसार, मैच के दिनों में किसी भी प्रकार के अभ्यास की अनुमति नहीं होगी और 'यदि कोई टीम अपना अभ्यास जल्दी समाप्त कर लेती है, तो दूसरी टीम को अपने अभ्यास के लिए विकेटों का उपयोग करने की अनुमति नहीं होगी।'

करीना कपूर ने किया अपनी नई फिल्म दायरा का ऐलान, पृथ्वीराज सुकुमारन होंगे जोड़ीदार

अभिनेत्री करीना कपूर को पिछली बार फिल्म सिंघम अगेन में देखा गया था। हमेशा की तरह फिल्म में उनके काम को काफी सराहा गया था, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर यह कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी।प्रशंसक कुछ समय से करीना की नई फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जो जल्द खत्म होने वाला है। अभिनेत्री करीना कपूर को पिछली बार फिल्म सिंघम अगेन में देखा गया था। हमेशा की तरह फिल्म में उनके काम को काफी सराहा गया था, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर यह कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी।प्रशंसक कुछ समय से करीना की नई फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जो जल्द खत्म होने वाला है। अभिनेत्री करीना कपूर को पिछली बार फिल्म सिंघम अगेन में देखा गया था। हमेशा की तरह फिल्म में उनके काम को काफी सराहा गया था, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर यह कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी।प्रशंसक कुछ समय से करीना की नई फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जो जल्द खत्म होने वाला है। दरअसल, करीना ने अपनी नई फिल्म का ऐलान कर दिया है, जिसके नाम दायरा रखा गया है।दायरा में करीना की जोड़ी अभिनेता पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ बनी है और यह पहला मौका होगा, जब ये दोनों कलाकार पर्दे पर साथ दिखाई देंगे।फिल्म के निर्देशन की कमान मेघना गुलजार ने संभाली है, जिन्हें राजी और सैम बहादुर के लिए जाना जाता है। करीना ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें साझा की हैं, जिसमें वह सुकुमारन और मेघना के साथ दिख रही हैं। करीना ने इस फिल्म को अपना ड्रीम प्रोजक्ट बताया है।दरअसल, करीना ने अपनी नई फिल्म का ऐलान कर दिया है, जिसके नाम दायरा रखा गया है।दायरा में करीना की जोड़ी अभिनेता पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ बनी है और यह पहला मौका होगा, जब ये दोनों कलाकार पर्दे पर साथ दिखाई देंगे।फिल्म के निर्देशन की कमान मेघना गुलजार ने संभाली है, जिन्हें राजी और सैम बहादुर के लिए जाना जाता है। करीना ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें साझा की हैं, जिसमें वह सुकुमारन और मेघना के साथ दिख रही हैं।करीना ने इस फिल्म को अपना ड्रीम प्रोजक्ट बताया है।दरअसल, करीना ने अपनी नई फिल्म का ऐलान कर दिया है, जिसके नाम दायरा रखा गया है।दायरा में करीना की जोड़ी अभिनेता पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ बनी है और यह पहला मौका होगा, जब ये दोनों कलाकार पर्दे पर साथ दिखाई देंगे।फिल्म के निर्देशन की कमान मेघना गुलजार ने संभाली है, जिन्हें राजी और सैम बहादुर के लिए जाना जाता है।

करीना ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें साझा की हैं, जिसमें वह सुकुमारन और मेघना के साथ दिख रही हैं। करीना ने इस फिल्म को अपना ड्रीम प्रोजक्ट बताया है।

मेरे पास कोई स्क्रिप्ट नहीं थी, कपड़े भी मेरे अपने थे, लेकिन वो भी क्या दिन थे..

मेरेशबाना आजमी को देखने से ज्यादा उनको सुनने में आनंद आता है। वह जब अभिनय नहीं कर रही होती हैं तो कलाकारी बतिया रही होती हैं। उनकी बातों में एक अलग तरह का रस है। अभिनेता उनकी बातों में नवरस ढूंढते हैं और श्रोताओं को उस रस की तलाश रहती है जिसका स्वाद लेने में अक्सर वो सिनेमाघर में चूक जाते हैं। उनके चेहरे पर एक अलग तरह की दृढ़ता दिखती है। परदे की मासूम शबाना जब समाजसेवी शबाना बनती है, तो अपने निर्देशकों को डरा देती है। और, खुद शबाना आजमी ये मानती हैं कि सामाजिक सरोकारों की पैरवी के दौरान उनकी इस सार्वजनिक सख्ती ने उनसे कई किरदार छीन भी लिए।मुंबई में चल रहे मामी मुंबई फिल्म फिल्म फेस्टिवल में इस साल शबाना आजमी को उनकी अदाकारी की आधी सदी पूरी होने पर विशेष सम्मान दिया गया है। आम तौर ऐसे मौकों पर मुंबई फिल्म जगत की शख्सियतों से अनुपमा चोपड़ा या फिर कोमल नाहटा जैसे सेलेब्रिटी पत्रकार ही बातें करते हैं। अनुपमा अपने पति विधु विनोद चोपड़ा के साथ बीती शाम किसी और कार्यक्रम में व्यस्त रहीं तो शबाना आजमी की मास्टरक्लास में ये काम किया अभिनेत्री विद्या बालन ने। हो सकता है कि इससे पहले से तैयार सवालों के पहले से तैयार जवाब देने में मदद मिलती हो। सब कुछ तात्कालिक है, ऐसा अभिनय करने में शबानी कहीं से कम हैं और न ही विद्या बालन। ख़ैर, सवाल-जवाब आशुकविता बनें न बनें, उनमें अगर लहर है तो सुनने वालों पर उनका असर होता ही है। शबाना के उस संस्मरण को लोगों ने अपलक और सांसें रोके रखने से उपक्रम में सुना जो उन्होंने फिल्म 'अर्थ' में जगजीत सिंह के गाने गाने 'तुम इतना क्यूं मुस्कुरा रहे हो..' की शूटिंग को लेकर सुनाया।

झगाने की शूटिंग कोई तीन दिन तक चली और इस दौरान जो कुछ हुआ, वह शबाना के लिए कभी न भूलने

दोपहर में झपकी लेने से आप दिन भर रहेंगे ऊर्जावान, जानिए कैसे

दोपहर की झपकी हर किसी के लिए जरूरी है, जिससे आप अपनी ऊर्जा को बढ़ा सकते हैं। दोपहर की नींद न केवल मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है, बल्कि इसके जरिए काम करने की क्षमता को भी बढ़ाया जा सकता है। इस लेख में हम आपको कुछ असरदार तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपनी दोपहर की झपकी को अधिकतम लाभकारी बना सकते हैं और इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना सकते हैं।

सही समय चुनें

दोपहर की झपकी लेने के लिए सही समय चुनना बहुत जरूरी है। आमतौर पर दोपहर एक से 3 बजे के बीच में झपकी लेना सबसे अच्छा माना जाता है। इस समय शरीर की ऊर्जा का स्तर थोड़ा कम होता है और आप आसानी से सो सकते हैं। इससे नींद की गुणवत्ता बेहतर होती है और आप ताजगी महसूस होती है। सही समय पर झपकी लेने से काम करने की क्षमता भी बढ़ती है और आप पूरे दिन ऊर्जावान रहते हैं।

आरामदायक स्थान बनाएं

झपकी लेने के लिए एक आरामदायक स्थान चुनें, जहां शांति हो और रोशनी कम हो। अगर आप ऑफिस में हैं तो किसी खाली कमरे का उपयोग कर सकते हैं या डेस्क पर सिर झुकाकर आराम कर सकते हैं। घर पर बिस्तर या सोफे का उपयोग करें, जहां आपको पूरी तरह से आराम मिले। इसके अलावा, अगर संभव हो तो आंखों पर पट्टी बांधें, ताकि रोशनी न आए और आप बिना किसी बाधा के सो सकें।

समय का ध्यान रखें

झपकी लेते वक्त समय का ध्यान रखना न भूलें, ताकि आप समय पर उठ सकें। यह बहुत जरूरी है, क्योंकि अगर आप ज्यादा देर तक सो जाएंगे तो आपकी रात की नींद प्रभावित हो सकती है और आप अगले दिन थका हुआ महसूस करेंगे। समय का ध्यान रखने से आपको यह सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी कि आपकी झपकी 20-30 मिनट से ज्यादा न हो, जिससे आपकी ऊर्जा बढ़ेगी और आप तरोताजा महसूस करेंगे।

गहरी सांस लें

झपकी लेते समय गहरी सांस लेना बहुत फायदेमंद होता है। इससे मन शांत होता है और नींद जल्दी आती है। गहरी सांस लेने से शरीर में ताजी हवा का स्तर बढ़ता है, जिससे आपका शरीर आराम महसूस करता है। इससे आपकी नींद की गुणवत्ता भी बेहतर होती है और आप ताजगी महसूस करते हैं। गहरी सांस लेने से मानसिक तनाव भी कम होता है और आप अधिक ऊर्जा महसूस करते हैं।

नियमितता बनाए रखें

झपकी लेने की आदत को नियमित बनाए रखना जरूरी है। हर दिन एक ही समय पर झपकी लेने से आपका शरीर उसे पहचानने लगता है और आसानी से सो जाता है। नियमितता से आपकी नींद की गुणवत्ता भी बेहतर होती जाती है और आप अधिक तरोताजा महसूस करते हैं। इस प्रकार, दोपहर की झपकी आपके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद साबित हो सकती है। इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा जरूर बनाएं।

बालों को कितनी बार धोना होता है सही? जानिए इससे जुड़े मिथकों की सच्चाई

बालों को धोने की सही संख्या पर कई भ्रम और गलतफहमियां प्रचलित हैं। कुछ लोग मानते हैं कि रोजाना बाल धोना जरूरी है, जबकि कुछ लोग इसे नुकसानदायक मानते हैं। इस लेख में हम इन भ्रमों की सच्चाई जानेंगे और समझेंगे कि वास्तव में कितनी बार बाल धोने चाहिए, ताकि वे स्वस्थ और सुंदर बने रहें। सही तरीके से बालों की देखभाल करने से आप अपने बालों को मजबूत और चमकदार बना सकते हैं। भ्रम: रोजाना बाल धोना है जरूरी

कई लोग मानते हैं कि रोजाना बाल धोना जरूरी होता है, ताकि वे साफ-सुथरे रहें और उनमें गंदगी न लगे। हालांकि, यह पूरी तरह सही नहीं है।

सान्या मल्होत्रा ने शुरू की सुंदर पूनम की शूटिंग, वास्तविक घटना से प्रेरित है फिल्म!

बॉलीवुड में इन दिनों ऐसी फिल्मों का ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है, जिनका कंटेंट दमदार हो। दर्शक अब सिर्फ मनोरंजन ही नहीं, बल्कि ऐसी कहानियां भी देखना चाहते हैं जो उन्हें भावनात्मक रूप से जोड़ सकें। इसी कड़ी में सान्या मल्होत्रा की आने वाली रोमांटिक थ्रिलर फिल्म सुंदर पूनम की चर्चा जोरों पर है। एक्ट्रेस ने फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है, जिसे लेकर फैंस में काफी उत्साह देखा जा रहा है। सान्या मल्होत्रा ने इस खास मौके की झलक अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की है। उन्होंने फिल्म की शुरुआत करने से पहले मुहूर्त पूजा की और इसकी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कीं। इन तस्वीरों में फिल्म का क्लैपबोर्ड नजर आ रहा है। इसके अलावा, वह को-स्टार्स के साथ कुछ कैंडिड मोमेंट्स वाले फोटो क्लिक करवाती दिख रही हैं। वहीं एक वीडियो में सान्या आरती करती हुई नजर आ रही है। इस पोस्ट के साथ उन्होंने एक छोटा सा कैप्शन लिखा- सुंदर पूनम फिल्म की शूटिंग आधिकारिक तौर पर शुरू हो चुकी है।

चित्रालय क्रिएशन्स की ओर से तीसरी प्रोडक्शन फिल्म की घोषणा, हेबाह पटेल इस फिल्म में मुख्य भूमिका निभाएंगी

अर्जुन आर्ट्स के बैनर तले, चित्रालय क्रिएशन्स बैनर के अंतर्गत प्रोडक्शन नंबर 3 का निर्माण हो रहा है, जिसकी निर्माता श्रीलक्ष्मी एम हैं। फिल्म का निर्देशन सलीम मलिक करेंगे, जिन्हें मैक के नाम से जाना जाता है, जिन्होंने इससे पहले दर्जा का निर्देशन किया था। अभिनेत्री हेबाह पटेल इस फिल्म में मुख्य भूमिका निभाएंगी। निर्माताओं ने हाल ही में इस परियोजना की आधिकारिक घोषणा की है।

कहा जा रहा है कि यह फिल्म इमोशन-कॉमेडी एंटरटेनमेंट शैली में एक अलग अवधारणा पर आधारित होगी और इसका निर्माण बड़े पैमाने पर किया जाएगा। टीम ने कलाकारों और तकनीकी दल के बारे में भी जानकारी दी है

दर्जा से दर्शकों को प्रभावित करने वाले निर्देशक सलीम मलिक इस प्रोजेक्ट की कहानी, पटकथा और निर्देशन संभालेंगे। अनूठे विषयों को प्रस्तुत करने और दर्शकों को एक नया सिनेमाई अनुभव देने के लिए जाने जाने वाले सलीम मलिक अब एक और नई अवधारणा के साथ आ रहे हैं। फिल्म के संवाद और गीत भाष्यश्री ने लिखे हैं, जबकि केवीआर ने अतिरिक्त पटकथा लिखी है। एम. समीर ने संगीत दिया है और विष्णु पणिक्कर छायांकन कर रहे हैं। अभिनेत्री हेबाह पटेल नायिका के रूप में नजर आएंगी।

जिगरा से पहले धर्मा प्रोडक्शंस की इन फिल्मों में दिख चुकी हैं आलिया भट्ट

आलिया भट्ट की फिल्म जिगरा हाल ही में रिलीज हुई है। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरुआत नहीं की है। रिलीज से पहले इस फिल्म का काफी ज्यादा प्रचार किया गया, लेकिन टिकट खिड़की पर इस फिल्म ने पहले दो दिन में उम्मीद के मुताबिक कलेक्शन नहीं किया। इस फिल्म का निर्माण आलिया भट्ट ने धर्मा प्रोडक्शंस के साथ मिलकर किया है। इससे पहले भी वह इस बैनर की कई फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। आइए जानते हैं कैसा रहा इन फिल्मों का प्रदर्शन आलिया भट्ट ने अपनी शुरुआत फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर से की थी। इस फिल्म में सिद्धार्थ मल्होत्रा और वरुण धवन भी नजर आए थे। धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बनी इस फिल्म का निर्देशन करण जौहर ने किया था। फिल्म को दर्शकों की मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली थी। 70 करोड़ रुपये के कलेक्शन के साथ फिल्म को सेमी-हिट घोषित किया गया था।

टू स्टेट्स- आलिया भट्ट की हिट फिल्मों में टू स्टेट्स का नाम भी शामिल है। इस फिल्म में वह अर्जुन कपूर के साथ नजर आई थीं। चेतन भगत की किताब पर आधारित यह फिल्म दर्शकों को काफी ज्यादा पसंद आई थी। फिल्म का निर्देशन अभिषेक वर्मन ने किया था। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म ने 102.3 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था।

हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया

स्टूडेंट ऑफ द ईयर के बाद आलिया भट्ट फिल्म हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया में वरुण के साथ एक बार फिर से बड़े पर्दे पर नजर आई थीं। फिल्म का निर्देशन शशांक खेतान ने किया था। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 76.81 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। टिकट खिड़की पर इस फिल्म को हिट घोषित किया गया था।

शानदार

शाहिद कपूर और आलिया भट्ट साल 2015 की फिल्म शानदार में एक साथ नजर आए थे।

सिंहस्थ-2028 को विश्व-स्तरीय आयोजन बनाने के लिये सरकार संकल्पबद्ध : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाला। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को अपने जन्म-दिन पर आकाशवाणी उज्जैन से संदेश देते हुए सिंहस्थ-2028 को विश्व-स्तरीय आयोजन के साथ भव्य और अद्वितीय बनाने की सरकार की संकल्पबद्धता जताई।

उन्होंने कहा कि सरकार समृद्ध और विकसित मध्यप्रदेश बनाने के लिये प्रतिबद्धतापूर्वक कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन के आकाशवाणी केंद्र से आप सभी के साथ जुड़ते हुए मुझे अत्यंत हर्ष हो रहा है। देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश आज विकास के उस सोपान पर है, जहाँ हमारी सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक प्रगति एक साथ कदमताल कर रहे हैं। सम्राट विक्रमादित्य की न्यायप्रियता, दानवीरता और पराक्रम से प्रेरणा लेकर मध्यप्रदेश सरकार सुशासन के नए आयाम स्थापित कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का संदेश प्रदेश के सभी 17 केन्द्रों से प्रसारित किया गया। संदेश को एक करोड़ से अधिक नागरिकों ने सुना।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा कि हमारी सरकार सांस?कृतिक वैभव को साथ लेकर विकास के नए मापदंड स्थापित कर रही है। सनातन संस?कृति के वैभव को वैश्विक पटल पर नई उंचाईयां प्रदान करने के लिए सरकार सिंहस्थ-2028 को एक 'विश्व स्तरीय आयोजन' बनाने के संकल्प के साथ काम कर रही है। भारतीय संस्कृति में नदियों को माँ का स्थान दिया गया है। यह हमारी सभ्यता की जीवनरेखा हैं। क्षिप्रा नदी को निर्मल, प्रवाहमान बनाकर रिवर फ्रंट विकसित करने, केन-बेतवा, पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी जोड़ो परियोजनाओं से जल संकट को जड़ से समाप्त करने के लिये सरकार हजारो करोड़ रुपयों की परियोजना पर काम कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसान भाई प्रदेश की अर्थव्यवस्था की नींव है। मध्यप्रदेश वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाकर प्रत्येक खेत तक आधुनिक सिंचाई और कृषि यांत्रिकरण की सुविधा पहुंचाकर किसानों की आय में वृद्धि के लिए दृढ़ संकल्पित है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट, संभागीय स्तर पर स्थानीय

इनवेस्टर्स समिट कर प्रदेश में औद्योगिक विकास और निवेश को प्रोत साहन देकर हम 'आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश' की नींव रख रहे हैं। उज्जैन की विक्रम उद्योगपुरी सहित प्रदेश के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में निवेश के माध्यम से युवा शक्ति को स्टार्ट-अप और स्व-रोजगार के माध्यम से हम युवाओं को केवल नौकरी खोजने वाला नहीं, बल्कि नौकरी देने वाला बना रहे हैं। शिक्षा के क्षेत्र में मुझे गर्व है कि मध्यप्रदेश ने नई शिक्षा नीति (ह्श्वक्क) को देश में सबसे पहले लागू कर हमारे विद्यार्थियों के लिए वैश्विक द्वार खोले हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार अंत्योदय के सिद्धांत पर चल कर वनवासी कल्याण और सामाजिक न्याय के लिए प्रतिबद्ध है। वनवासी भाइयों के संस्कृतिक संरक्षण के लिए सरकार भगोरिया को राजकीय पर्व और लोक उत्सव के रुप में नई पहचान प्रदान कर रही है। वन मेले प्रदेश के विभिन्न जिलों में आयोजित कर वनोपज को बाजार और वनवासी भाईयों को आय के नवीन अवसर प्रदान कर रहें है। नक्सलवाद के विरुद्ध हमारी 'जीरो टॉलरेंस' नीति है, मध्यप्रदेश की धरती पर अराजकता के लिए कोई स्थान नहीं है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के बहुआयामी विकास के लिए प्रदेश में प्रकृति संरक्षण और इको-पर्यटन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रकृति संरक्षण में मध्यप्रदेश अग्रणी है। प्रदेश में चीता प्रोजेक्ट, नौरादेही अभ्यारण्य का विस्तार, मगरमच्छ व कछुआ संरक्षण के कार्यों ने प्रदेश को 'इको-टूरिज्म' का वैश्विक केंद्र बना दिया है। पर्यटन के विकास से हम स्थानीय स्तर पर रोजगार के हजारों अवसर सृजित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 'लाड़ली बहनों' से लेकर स्व-सहायता समूहों तक, महिला सशक्तिकरण हमारी हर योजना के केंद्र में है। साथ ही, हम इंदौर, उज्जैन, भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर जैसे नगरों को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप मेट्रोपॉलिटन सिटी के रूप में विकसित कर रहे हैं, जिससे शहरी जीवन सुगम और आधुनिक बने।ठ मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विकसित और समृद्ध मध्यप्रदेश के लिये यह विकास यात्रा मेरे अकेले की नहीं है। इसमें मेरे कैबिनेट के सहयोगियों का समर्पण और आप सभी का विश्वास शामिल है। हम मिलकर एक ऐसा मध्यप्रदेश बनाएंगे जो वैभवशाली और समृद्धशाली होगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का उज्जैन प्रेस क्लब में पहुंचने पर पत्रकार साथियों के द्वारा जोरदार स्वागत किया गया और जन्मदिन की बधाइयां दी गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रेस क्लब के साथियों के साथ जन्मदिन मनाते हुए कहा कि हमारे लिए यह गौरव की बात है कि एनसीआर के बाद देश का सबसे बड़ा मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र इंदौर और उसके आसपास के जिले मिलकर बना रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन शहर अब मेट्रो शहर के रूप में परिवर्तित हो गया है। प्रदेश और देश मे हमारी पहचान भी बदल रही हैं और देश में अब उज्जैन जिला एक प्रमुख स्थान रख रहा है। सारी दुनिया हमारी ओर देख रही है।

बनायेंगे 'समृद्ध मध्यप्रदेश, विकसित मध्यप्रदेश '

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन आकाशवाणी से दिया संदेश

संदेश का प्रसारण प्रदेश के सभी 17 केन्द्रों से हुआ एक करोड़ से अधिक नागरिकों ने सुना संदेश

मंत्री श्री सारंग ने एशियन गेम्स के लिये तैयारियाँ की शुरू

खिलाड़ियों के बेहतर प्रदर्शन के लिये प्रशिक्षकों को दी जिम्मेदारी

भोपाला। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने एशियन गेम्स में होने वाले वॉटर स्पोर्ट्स के प्रशिक्षकों से वन-टू-वन संवाद कर कहा कि प्रत्येक खेल में मध्यप्रदेश के खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन करें, इसके लिये विशेष प्रशिक्षण दिया जाये। उन्होंने खिलाड़ियों की जरूरत और सुविधाओं पर ध्यान देने के निर्देश दिये। राज्य सरकार की ओर से किसी भी प्रकार की सुविधा या अपेक्षा हो, तो तत्काल बतायें। किसी भी प्रकार की परेशानी या समस्या होने पर भी नियुक्त अधिकारी से सतत सम्पर्क करें। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को उच्च गुणवत्ता का प्रशिक्षण उपलब्ध कराने में किसी भी प्रकार की कोताही न बरतें।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि मध्यप्रदेश की वॉटर स्पोर्ट्स अकादमी में विश्व स्तर की सुविधाएँ उपलब्ध हैं। इन सुविधाओं का अधिकतम उपयोग करते हुए खिलाड़ियों को विशेष रूप से तैयार करें। मंत्री श्री सारंग बुधवार को टी.टी. नगर स्टेडियम के मेजर ध्यानचंद हॉल में विभागीय अधिकारियों और प्रशिक्षकों के साथ सितम्बर माह में होने वाले एशियन गेम्स के संबंध में चर्चा कर रहे थे। उन्होंने वन-टू-वन संवाद कर प्रशिक्षण व्यवस्थाओं, खिलाड़ियों की प्रगति और आवश्यक संसाधनों की स्थिति की जानकारी प्राप्त की। खिलाड़ी की व्यक्तिगत क्षमताओं के अनुरूप विशेष रणनीति हो तैयार मंत्री श्री सारंग ने प्रशिक्षण प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी एवं परिणामोन्मुखी बनाने को कहा। साथ ही प्रत्येक खिलाड़ी की व्यक्तिगत क्षमताओं के अनुरूप विशेष रणनीति तैयार करने के भी निर्देश दिये। उन्होंने अगली बैठक में संभावित खिलाड़ियों के साथ सीधे संवाद कर उनका फीडबेक लेने के भी निर्देश दिये। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि खिलाड़ियों को प्रोत्साहित कर उनकी हौसला अफजाई की जाये, जिससे वे बेहतर परिणाम दे सकें। हमारा लक्ष्य है कि वॉटर स्पोर्ट्स में अधिक से अधिक अर्जित हों, इसके लिये सभी को समर्पण, अनुशासन और टीम भावना के साथ कार्य करना होगा। खिलाड़ियों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से सशक्त होकर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये प्रोत्साहित किया जाये। मंत्री श्री सारंग ने निर्देश दिये कि खेल की प्रत्येक गतिविधि की जानकारी की खबर विभिन्न समाचार माध्यमों से प्रकाशित एवं प्रसारित की जाये। एशियन गेम्स की गतिविधियों की जानकारी भी सोशल मीडिया और समाचार-पत्रों के माध्यम से समय-समय पर आती रहे।

भोपाल के थाने में 'अग्निकांड' से मचा हड़कंप! हनुमानगंज परिसर में खड़े 30 वाहन आग की भेंट चढ़े, 6 खाक

भोपाला। हनुमानगंज थाना परिसर में बुधवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया, जब थाने में खड़े जब्त वाहनों में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और परिसर में खड़े करीब 30 वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद स्थिति पर काबू पाया गया। हालांकि, इस घटना में आधा दर्जन से अधिक वाहन पूरी तरह जलकर खाक हो गए। हनुमानगंज थाना पुलिस द्वारा जब्त कर थाना परिसर में खड़े किए गए वाहनों में अचानक आग लग गई। शॉर्ट सर्किट से भड़की चिंगारी, सूखे पत्तों ने पकड़ी आग

जहां वाहन खड़े थे ठीक उसी के पास बिजली का खंभा भी है। ऐसे में प्राथमिक जांच में सामने आया है कि बिजली पोल में शॉर्ट सर्किट से निकली चिंगारियों के गिरने से सूखे पत्तों में आग लगी होगी, जिसने करीब 30 वाहनों को भी चपेट में ले लिया। इससे थाने में हड़कंप की स्थिति निर्मित हो गई और मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने फायर कंट्रोल रूम को सूचित किया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची दमकल विभाग की दो गाड़ियों ने मोर्चा संभाला और करीब आधे घंटे में आग को बुझा दिया। साक्ष्यों को पहुंचा नुकसान, फायर ऑफिसर ने दी जानकारी

यदि समय रहते दमकलकर्मी नहीं पहुंचते, तो थाना भवन और पास खड़े अन्य वाहनों को भी भारी नुकसान पहुंच सकता था। गनीमत यह रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन पुलिस रिकॉर्ड में दर्ज साक्ष्य के तौर पर रखे वाहनों को काफी क्षति पहुंची है। नगर निगम के फायर ऑफिसर सौरभ पटेल ने बताया कि हनुमानगंज थाने में खड़े वाहनों में आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंच गई थीं। करीब आधे घंटे में ही आग पर काबू पा लिया था। आग ने करीब 30 वाहनों को चपेट में ले लिया था, जिसमें छह वाहन पूरी तरह जलकर खाक हो गए।

एचपीवी टीकाकरण की उपलब्धि बेटियों के सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य की दिशा में एक बड़ा कदमः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

2 लाख से अधिक बालिकाओं के टीकाकरण की उपलब्धि पर स्वास्थ्य टीम, जागरूक अभिभावकों की भूमिका की सराहना की शत-प्रतिशत लक्ष्य की प्राप्ति का किया आह्वान : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

भोपाला। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश में एचपीवी टीकाकरण अभियान में 2 लाख से अधिक बालिकाओं के टीकाकरण की उपलब्धि के लिए स्वास्थ्य विभाग, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा कार्यकर्ताओं सहित समन्वय विभागों के अधिकारियों कर्मचारियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह सफलता समर्पण, मेहनत और जनजागरूकता का परिणाम है। उन्होंने विशेष रूप से 'जागरूक अभिभावकों' की भूमिका को भी सराहा, जिनकी समझदारी और सकारात्मक दृष्टिकोण के कारण यह अभियान गति पकड़ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह उपलब्धि केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि प्रदेश की बेटियों के सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार नागरिकों को सुलभ, गुणवत्तापूर्ण और समग्र स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सुरक्षित मातृत्व, कुपोषण मुक्त बचपन और नवजात शिशुओं की बेहतर देखभाल के लिए कई योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है। संस्थागत प्रसव को बढ़ावा, टीकाकरण कवरेज का विस्तार और पोषण सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के माध्यम से प्रदेश एक स्वस्थ और सशक्त भविष्य की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार बेटियों के स्वास्थ्य और सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। एचपीवी टीकाकरण अभियान इसी दिशा में एक मजबूत पहल है, जो आने वाले समय में सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के खतरे को कम करेगा। उन्होंने सभी नागरिकों, सामाजिक संगठनों और जनप्रतिनिधियों से अपील की कि वे इस अभियान को जन-आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाते रहें, जिससे कोई भी पात्र बालिका इस सुरक्षा कवच से वंचित न रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मोहली (सागर) में किसान के खलियान में गौ माता को गुड चारा खिलाया।

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने कक्षा 5वीं और 8वीं का घोषित किया परीक्षा परिणाम

भोपाला। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने बुधवार को कक्षा 5वीं एवं 8वीं का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया है। कक्षा 5वीं में 96.19 प्रतिशत छात्राएं एवं 94.15 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण हुए हैं। वहीं कक्षा 8वी में 94.98 प्रतिशत छात्राएं एवं 92.74 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण हुए हैं। मध्यप्रदेश में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित कक्षा 5वीं और 8वीं की बोर्ड पेटर्न परीक्षाओं का परिणाम 25 मार्च को जारी कर दिया गया है। परीक्षा परिणाम घोषणा की प्रक्रिया सुबह 11 बजे से शुरू हुई। मंत्रालय में आयोजित कार्यक्रम में स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने परीक्षा परिणाम की घोषणा की। इस दौरान उन्होंने कक्षा 5वीं एवं 8वीं के परीक्षा परिणामों के विभिन्न बिंदुओं पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रदेश के समस्त विद्यालयों का कक्षा 5वीं का परीक्षा परिणाम 95.14 प्रतिशत एवं कक्षा 8वीं का परीक्षा परिणाम 93.83 प्रतिशत रहा है। कक्षा 5वीं में शहडोल संभाग और नरसिंहपुर जिला रहे अव्वल बुधवार को घोषित परीक्षा परिणामों में कक्षा 5वीं में शहडोल संभाग प्रदेश में आगे रहा।

स्वात्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एम.एस.चौहान द्वारा ई-2/283, अरेरा कॉलोनी भोपाल (म.प्र.) से मुद्रित एवं ई-109/23,शिवाजी नगर,भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादकः एम.एस. चौहान, स्थानीय संपादक कमलेन्द्र सिंह चौहान। फोन एवं फैक्स : 0755-4273629,।